RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 अनदेखी-3 जैसे प्रोजेक्ट करना...

वर्ष : 26 अंक : 125 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 27 अप्रैल, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

दिल्ली के होटलों में 70 से ज्यादा पाकिस्तानी मौजूद

खुफिया एजेंसी को मिली सूचना, भारी संख्या में पुलिस बल व पैरामिलिट्री फोर्स तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारी संख्या में होटल में पाकिस्तानी नागरिकों के रुके होने से कई सवाल खड़े होते हैं। क्या सुरक्षा एजेंसी को इस बात की जानकारी नहीं थी कि इतनी संख्या में पाकिस्तानी नागरिक होटल में ठहरे हुए हैं, क्या यह पाकिस्तानी अवैध रूप से आए हैं।

दिल्ली पुलिस समेत देश की सुरक्षा एजेंसी में शुक्रवार की रात उस समय हड़कंप मच गया जब खुफिया एजेंसी को सूचना मिली थी कि पहाड़गंज स्थित टुडे इंटरनेशनल होटल में 60 से 70 पाकिस्तानी रुके हुए हैं। इस सूचना के बाद सुरक्षा एजेंसी अलर्ट हो गई। पूरे होटल के सामने व चारों तरफ भारी संख्या में पुलिस बल में पैरामिलिट्री फोर्स को तैनात कर दिया गया है।

दिल्ली पुलिस के सीनियर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। दिल्ली पुलिस अधिकारियों को शुरुआती जांच के बाद पता लगा कि कुछ संदिग्ध गतिविधियां हो रही है। इसके बाद सूचना मिली थी कि टुडे इंटरनेशनल होटल में पाकिस्तानी काफी मात्रा में पाकिस्तानी ठहरे हुए हैं।

भारी संख्या में होटल में पाकिस्तानी नागरिकों के रुके होने से कई सवाल खड़े होते हैं। क्या सुरक्षा एजेंसी को इस बात की जानकारी नहीं थी कि इतनी संख्या में पाकिस्तानी नागरिक होटल में ठहरे हुए हैं, क्या यह पाकिस्तानी अवैध रूप से आए हैं। दिल्ली पुलिस के तमाम सीनियर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और जांच शुरू कर दी गई है।

मध्य जिला पुलिस उपायुक्त एम हर्षवर्धन का कहना है कि यह पाकिस्तानी डेलिगेशन है, जो निजामुद्दीन दरगाह के लिए आया हुआ है। इसके बावजूद कई सवाल खड़े हो रहे हैं कि जब यह डेलिगेशन आया है तो दिल्ली पुलिस के पास इसकी पहले से जानकारी होगी, फिर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात क्यों किया गया है और सीनियर पुलिस अधिकारी मौके पर क्यों पहुंचे हैं।

धनंजय सिंह को मिली जमानत बरकरार रहेगी सात साल की सजा

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह को जमानत दे दी; उनकी सजा पर रोक लगाने से

इनकार कर दिया। उन्हें एमपी-एमएलए कोर्ट ने अपहरण और जबरन वसूली मामले में सात साल की कैद की सजा सुनाई गई थी।

पूर्व सांसद और बाहुबली धनंजय सिंह को शनिवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है। कोर्ट से उन्हें जमानत मिल गई है। हालांकि हाईकोर्ट ने सात साल की सजा को बरकरार रखा है। वो अभी चुनाव नहीं लड़ सकेंगे।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह को जमानत दे दी। उन्हें जौनपुर की [illegible] कोर्ट ने अपहरण और जबरन वसूली मामले में सात साल की कैद की सजा सुनाई गई थी। सजा को रद्द करने की मांग कोर्ट ने खारिज कर दी है। जस्टिस संजय कुमार सिंह की बेंच ने पूर्व सांसद धनंजय सिंह को जमानत दी है। आपको बता दें कि नमामि गंगे के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिनव सिंघल का अपहरण कराने, रंगदारी मांगने, गालियां और धमकी देने के आरोपी जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह की जमानत अर्जी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में चली सुनवाई गुरुवार को पूरी हो गई थी।

मामले की सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की एकल पीठ ने सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। शनिवार को अदालत ने फैसला सुनाया। आज ही उन्हें बरेली जेल में शिफ्ट किया गया है।

गौरतलब है कि अपहरण मामले में पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने जौनपुर की विशेष अदालत से मिली सात साल की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दाखिल कर अंतिम फैसला आने तक सजा पर रोक लगाए जाने और जमानत पर जेल से रिहा किए जाने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नमामि गंगे के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिनव सिंघल का अपहरण कराने, रंगदारी मांगने, गालियां और धमकी देने के आरोपी जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह की जमानत मंजूर कर ली है, लेकिन उनको ट्रायल में कोर्ट से मिली सात साल की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। इससे पूर्व सांसद के राजनीतिक भविष्य पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। (शेष पृष्ठ-4 पर)

निर्माणाधीन बिल्डिंग में लगी आग

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-58 क्षेत्र के सेक्टर-62 में निर्माणाधीन एक बिल्डिंग के 20 वें फ्लोर पर आज आग लने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समाचार लिखे जाने तक किसी के हताहत की कोई सूचना नहीं मिली।

मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सेक्टर 62 में मास्टर इंफ्रा कंस्ट्रक्शन की एक बिल्डिंग बन रही है। आज सुबह को पुलिस को सूचना मिली कि बिल्डिंग के 20 वीं मंजिल पर भयंकर आग लग गई है।

उन्होंने बताया कि मौके पर दमकल विभाग की 10 गाड़ियां पहुंची। सीएफओ ने बताया कि बिल्डिंग की छत पर निर्माण संबंधित सामान रखा था। वहां पर वेल्डिंग करते समय आग लग गई थी। उन्होंने बताया कि दमकल विभाग ने आग पर काबू पा लिया है।

पूछताछ में रवि काना व काजल झा ने उगले राज!

दोपहर बाद अदालत में पेश करेगी पुलिस, रिमांड पर लेगी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कल कमिश्नरेट पुलिस द्वारा दिल्ली एयरपोर्ट से हिरासत में लिये गये कुख्यात स्क्रैप माफिया रवि काना तथा उसकी महिला मैनेजर काजल झा ने पूछताछ में कई राज उगले हैं। पुलिस आज दोनों को अदालत में पेश करने जा रही है। सूत्र बताते हैं कि दोनों से पुलिस को काफी अहम जानकारी मिली है।

डीसीपी ग्रेटर नोएडा साद मियां खान ने बताया कि दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस उनकी कस्टडी रिमांड के लिए न्यायालय में आवेदन कर रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस कस्टडी रिमांड मिलने पर इनसे गहनता से पूछताछ की जाएगी, (शेष पृष्ठ-4 पर)

नोएडा में बढ़ेगा भाजपा की लीड का अंतर!

वर्ष-2019 में नोएडा से डा. महेश शर्मा को मिली थीं 198060 वोटों की लीड

नोएडा (चेतना मंच)। हालांकि इस बार गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र का समूचा मतदान प्रतिशत वर्ष-2019 के मुकाबले 7.28 फीसदी घटा है। लेकिन नोएडा विधानसभा क्षेत्र में मतदान का फीसदी 2019 के मुकाबले करीब 1 फीसदी बढ़ा है। जिसका लाभ भाजपा प्रत्याशी डा. महेश शर्मा को मिलना तय माना जा रहा है तथा यहां से लीड का अंतर भी बढ़ेगा।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मतदान फीसद बढ़ने के साथ नोएडा में भारतीय जनता पार्टी की लीड का अंतर भी वर्ष-2019 के मुकाबले बढ़ेगा। वर्ष-2019 में नोएडा के भाजपा प्रत्याशी डा. महेश शर्मा को 198060 वोटों की लीड मिली थी। वर्ष-2019 में नोएडा में डा. महेश शर्मा को कुल 260502 वोट मिले थे। जबकि बसपा-सपा गठबंधन प्रत्याशी सतबीर नागर को 62442 वोट मिले थे। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी डा. अरविंद कुमार सिंह को 20796 वोट मिले थे। इस दौरान मतदान 46.1 फीसद हुआ था।

वर्ष-2019 के मुकाबले मतदान 1 फीसदी बढ़ा

राजनीति के जानकार बताते हैं कि इस वर्ष-2019 के मुकाबले नोएडा में करीब 1-1.5 लाख वोट बढ़े हैं। अब कुल वोटों की संख्या 782872 है। कल हुए मतदान में नोएडा विधानसभा में कुल 364113 वोट पड़े थे। यानी करीब 47 फीसदी वोट पड़े थे। वोटों की संख्या के अनुपात में इस बार भी लीड का अंतर 2.25-2.50 लाख से अधिक का रहेगा।

सर्वविदित है कि नोएडा को भाजपा का गढ़ माना जाता है। अधिकांश सेक्टरों में भाजपा का मतदान 70-80 फीसदी रहता है। उस लिहाज से इस बार भी नोएडा में लीड का अंतर पूर्व के मुकाबले बढ़ेगा। इसका श्रेय भाजपा नोएडा महानगर की टीम को जाएगा।

बिल्डर के गुंडों ने आवंटियों के साथ की मारपीट

पुलिस पर लगाया आरोपियों को छोड़ने तथा पीड़ितों को हिरासत में लेने का आरोप

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बिसरख थाना क्षेत्र के ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित फ्यूजन होम्स हाउसिंग सोसाइटी में बिल्डरों के गुडों ने बॉयर्स के साथ मारपीट की। वहां के निवासियों ने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने हंगामा और मारपीट की, उनको छोड़कर पीड़ित निवासियों को ही पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

फ्यूजन होम्स हाउसिंग सोसाइटी में रहने वाले धीरज सिंह ने बताया कि बिल्डर को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोसाइटी का हैंडओवर एओए को देने के लिए कहा है। बीते 27 मार्च को हाईकोर्ट ने प्राधिकरण को ऑर्डर दिया था कि एओए को हैंडओवर करवाना होगा। उसके बाद बिल्डर और एओए की बैठक 27 अप्रैल को हुई। (शेष पृष्ठ-4 पर)

आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह को मिली जमानत

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार (27 अप्रैल) को आम आदमी पार्टी (आप) विधायक अमानतुल्लाह खान बड़ी राहत दी है। दिल्ली के वक्फ बोर्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आप पार्टी के नेता अमानतुल्लाह को 15 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत मिल गई है।

इस मामले में रॉउज एवेन्यू कोर्ट ने यह कहा कि अमानतुल्लाह खान ईडी के एक समन पर जांच एजेंसी के समक्ष पेश हुए जबकि ईडी ने उन्हें पेश होने के लिए कई बार समन किया था। कोर्ट ने कहा कि विधायक को अदालत में पेश होना पड़ेगा। कोर्ट के इसी आदेश का पालन करते हुए अमानतुल्लाह खान आज रॉउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए और कोर्ट ने उन्हें पेशी के बाद जमानत दे दी। कोर्ट ने अमानतुल्लाह को 15 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी है।

खबरों के अनुसार पिछले हफ्ते प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अमानतुल्लाह खान से लगभग 13 घंटे तक पूछताछ की थी। ईडी ने उनकी अध्यक्षता के दौरान दिल्ली वक्फ बोर्ड में (शेष पृष्ठ-4 पर)

53.30 फीसद के साथ शांतिपूर्ण हुआ मतदान

मतदान के घटते फीसदी पर सियासी दलों व नागरिकों ने जताई चिंता

नोएडा (चेतना मंच)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में मतदान सकुशल संपन्न हुआ। 13-गौतम बुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र में कुल 53.30 प्रतिशत मतदान हुआ।

लोकतंत्र के इस महापर्व को लेकर मतदाताओं में अच्छा खासा उत्साह देखने को मिला। मतदाताओं ने लोकतंत्र के इस महापर्व में अपने मताधिकार का बढ़-चढ़कर प्रयोग किया। साथ ही जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने पत्नी संग कैंब्रिज पब्लिक स्कूल सेक्टर-27 नोएडा में पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर अन्य मतदाताओं को भी राष्ट्रीय हित में मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत जनपद में मतदाताओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए 1852 बूथ बनाए गए थे, जिनमें मतदाताओं की सुविधा हेतु भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप सभी मूलभूत सुविधाएं सुदृढ़ रखी गई। साथ ही सभी बूथों पर सीसीटीवी, वीडियोग्राफी एवं वेबकास्टिंग की भी व्यवस्था की गई थी, ताकि कोई भी निर्वाचन को प्रभावित न कर सके।

जनपद में मतदान से सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के द्वारा आज प्रात: काल से ही (शेष पृष्ठ-4 पर)

हनुमान जन्मोत्सव पर विशाल शोभायात्रा कल

नोएडा (चेतना मंच)। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 28 अप्रैल (रविवार) को अखिल ब्रह्मांडनायक, कौशलाधीश अयोध्या के राजा रामचंद्र के परमभक्त हनुमान के जन्मोत्सव का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया जाना तय हुआ है। इस अवसर पर हनुमान की शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें लगभग 51 हजार हनुमान भक्तों के सम्मिलित होने का आवाहन किया गया है।

शोभायात्रा 28 अप्रैल 2024 को प्रात: 10 बजे कांशीराम अंबेडकर आवास परिसर सेक्टर 45 निकट बजरंग चौराहा व आम्रपाली सफायर से प्रारंभ होगी और, सेक्टर 37 बोटैनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन से सेक्टर 18 मेट्रो स्टेशन, सेक्टर 16 मेट्रो स्टेशन, नयाबास गांव, हरौला गांव, सेक्टर 5 पुलिस स्टेशन, सेक्टर 8-9 की बांस बल्ली मार्केट, स्वानी फर्निचर चौराहा, मेट्रो हॉस्पिटल चौराहा से सेक्टर 12-22 चौड़ा मोड़ चौराहा होती हुई सेक्टर 34 हनुमान मंदिर पर संपन्न होगी।

इस शोभा यात्रा में यात्रा प्रमुख विभाग संयोजक बजरंग दल ललित भारद्वाज, सह यात्रा प्रमुख महानगर संयोजक बजरंग दल सुमित, महानगर अध्यक्ष बहन छाया सिंह, (शेष पृष्ठ-4 पर)

चुनौतियों का पहाड़

राजनीतिक परिस्थितियां हमेशा हर मुख्यमंत्री को कांगड़ा की चुनौतियों के समक्ष खड़ा कर देती हैं और प्रदेश के मौजूदा मुखिया भी इस दौर से गुजर रहे हैं। कांगड़ा की दीवार-कांगड़ा के दीदार और जुल्म की राह पर रार कल थी और आज भी है। कांगड़ा यूं तो सत्ता का एतबार है और राजनीतिक मशक्कत की सफलता का त्योहार है, लेकिन सरकारें बनते ही यह असंतुलित हो रहा है। खासतौर पर मुख्यमंत्री पद की दौड़ में यह जिला लाचार, बीमार और शिकार ही साबित हुआ। वाईएस परमार के दौर में पंडित सालिग राम को परास्त करने वाले हों या वीरभद्र सिंह के दौर में मेजर विजय सिंह मनकोटिया के पथ को नष्ट करने वाले नेताओं का कांगड़ी समूह तब भी था। यह धूमल सरकार या जयराम ठाकुर की सत्ता में भी देख गया कि चंद मुद्दे, चंद ख्वाहिशें, चंद नेता और तमाम महत्त्वाकांक्षाओं को किस तरह ठोकरें लगीं। इतिहास में अपने-अपने पतन की कहानी लिख चुके विजय सिंह मनकोटिया या डा. राजन सुशांत की दास्तान का जिक्र अगर अंधे कुओं में होता है, तो यह सफर का रोमांच नहीं, तड़पाने का रास्ता है। कांगड़ा ने अपने ही नेताओं को तड़पते देखा, क्योंकि सदा सत्ता सौंपने वाला जिला एक समूह नहीं बन सका। हर बार लाड़ले वे बने जो नेता बन ही नहीं सकते थे। दो बार मुख्यमंत्री बनकर भी क्या शांता कुमार क्षेत्रीय संवेदना के मुखिया और सियासी ताकत के केंद्र बने। सवाल हमेशा शांता के अधूरे सफर से पूछते रहे, लेकिन डूबा तो यहां का सियासी इतिहास। इसलिए एक बड़ी लावी खड़ी की गई, जो यह तय कर रही थी कि इस भूखंड की राजनीतिक हेकड़ी खत्म करके कैसे परवान चढ़ा जाए। कांगड़ा के जितने टुकड़े सत्ता को चाहिए वे हर बार हो जाते हैं। कभी जिलों के नाम पर, कभी काम तमाम कर या कभी सत्ता के पदों पर बड़े नेताओं का वजन घटाकर हिमाचल की सरकारें इनसाफ कर रही हैं। पिछली कुछ सरकारों में कांगड़ा को मिले मंत्रिमंडलीय पदों या मंत्रालयों का आबंटन इस तरह हुआ कि राज्य का बजट यहां मुरझा गया। न कोई तहरीर और न ही कोई तकरार, वरना डेढ़ साल की मौजूदा सरकार केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर के तीस करोड़ की शर्त की खिल्ली न उड़ाती। जिस कफन में सो गए अतीत में कई नेता, वह फिर मचान पर खड़ा शिकार गिन रहा। कहां गए रोशन दरवाजे जहां मनकोटिया, सुशांत, किशन कपूर व रमेश धवाला कभी आबाद थे। क्या इस पारी का अंत सुधीर शर्मा की भी यही कहानी लिखेगा। कम से कम जिस तरह की बयानबाजी व आचरण की जोर आजमाइश में शब्दावली बाहर आ रही है, उससे धब्बा तो जरूर लगेगा। वैसे हिमाचल के राजनीतिक संतुलन के लिए शिमला, मंडी और कांगड़ा का अवतार सलामत रहना चाहिए, लेकिन विभाजन के नए संकल्प अब चार संसदीय क्षेत्रों में उपज नहीं बंजरपन उगाना चाहते हैं। सत्ता की उर्वरता इस बार अगर शिमला संसदीय क्षेत्र को सियासत का ग्रीन हाउस बना गई, तो मंडी की वसंत पहले ही चुनावी फलक से शरमा गई है। रही कांगड़ा की हालत, तो यहां हर सत्ता का दोष यही रहा कि कुछ अहम नेता हमेशा हाशिए पर पहुंचा दिए गए। इस बार सत्ता के बीच ही सत्ता के खिलाफ जो जंग हुई, उसके परिणाम में हम या तो नेताओं को बनते या टूटते देख सकते हैं। ऐसा नहीं कि सत्ता की टूट कांगड़ा को मिली, बल्कि हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की आरजू भी कहीं धूमिल हुई। नेताओं की चरागाह में बंजर हुई मर्यादाओं का आलम यह कि कहीं गंगू राम मुसाफिर पल में लौटते, तो अगले पल रोकते हुए मिल जाएंगे। चुनावी रेलगाड़ी में सवार होते डा. राम लाल मार्कंडेय को कांग्रेस की हरी झंडी का इंतजार रहा, लेकिन सुजानपुर में भाजपा की नाव पर रहे रणजीत सिंह ठाकुर अब कांग्रेस के दरिया में कूद पड़े हैं। जनता चाहे तो अचंभित होना छोड़ सकती है क्योंकि सियासत की इत्रदानी में कभी खुशबू हो नहीं सकती। ये चुनाव कुछ नेताओं की बर्बादी का सबब बन सकते हैं, भले ही सियासी बकवास कुछ भी होता रहे।

विरासत टैक्स एवं निजी सम्पत्ति सर्वे पर संकट में घिरी कांग्रेस

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस जनता के बीच जिस तरह के मुद्दों को लेकर चर्चा में हैं, उनमें देश विकास से अधिक मुक्त की रेवड़िया बांटने या अतिश्योक्तिपूर्ण सुविधा देने की बातें हैं तो 'विरासत टैक्स' के नाम पर जनता की गाड़ी कमाई को हड़पने के सुझाव है। ऐसी विरोधीभासी सोच एवं योजनाएं कांग्रेस की अपरिपक्व एवं स्वार्थप्रेरित राजनीति को ही उजागर करती है। इंडिया ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष एवं राहुल गांधी के विश्वस्त सलाहकार सैम पित्रोदा ने चुनावी समर में अपने ताजा बयान में विरासत टैक्स की वकालत की है। उन्होंने अमेरिका में लागू इस टैक्स की पैरवी करते हुए भारत के लिये उपयोगी बताया। सैम ने अपने बयान पर विवाद बढ़ता देख सफाई दी है, तो कांग्रेस ने इस बयान से खुद को अलग कर लिया है। लेकिन राजनीति की इन कुचालों एवं ऐसे बयानों में कांग्रेस का इरादा जनता की मेहनत की कमाई की संगठित लूट और वैध लूट ही नजर आता है। सैम पित्रोदा के बयान में कांग्रेस की सोच एवं संकल्प ही नहीं दिखा बल्कि कांग्रेस की भावी योजनाओं की परतें भी खुली है। भले ही इस बयान ने कांग्रेस के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हो, लेकिन जनता को मूर्ख समझ हर बार हंगामा खड़ा करना कांग्रेस की नीति एवं नियत रही है। सैम ऐसे ही विवादास्पद बयानों से पूर्व में भी चर्चा में रहे हैं।

अमेरिका में विरासत टैक्स जैसी अनेक स्थितियां एवं कानून हैं जो भारत में नहीं है क्योंकि हर देश की अपनी स्थितियां होती है। सैम के इस बयान ने इसलिए तूल पकड़ लिया, क्योंकि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में लोगों की संपत्ति के सर्वे का वादा किया है। इसकी व्याख्या भाजपा पहले से ही इस रूप में कर रही है कि कांग्रेस लोगों की संपत्ति का आकलन करके संपन्न-सक्षम लोगों की संपदा का एक हिस्सा लेने का इरादा रखती है। चूंकि सैम पित्रोदा का कथन कुछ इसी ओर संकेत करता दिख रहा था, इसलिए भाजपा ने नए सिरे से उनके बयान को मुद्दा बना दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो कहा जब तक आप जीवित रहेंगे, तब तक कांग्रेस आपको ज्यादा टैक्स से मारेगी और जब जीवित नहीं रहेंगे, तब आप पर विरासत का बोझ लाद देगी।' कांग्रेस की लूट जिन्दगी के साथ भी और जिन्दगी के बाद भी कह कर मोदी ने कांग्रेस को निशाने पर लिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने भी यह कह दिया कि यदि कांग्रेस वैसा कुछ करने का नहीं सोच रही है, जैसा सैम पित्रोदा कह रहे हैं तो वह अपने घोषणा पत्र से संपत्ति के सर्वेक्षण वाली बात हटाए।' निश्चित ही कांग्रेस की संपत्ति के

भले ही सैम पित्रोदा अमेरिका का उदाहरण देकर उस पर भारत में बहस की जरूरत जता रहे थे, लेकिन उन्हें गलत समय ऐसा उदाहरण नहीं देना चाहिए था, जो तथ्यात्मक रूप से पूरी तरह भारत की परिस्थितियों के लिये सही न हो और जिसके विवाद का विषय बनने की भरी-पूरी संभावनाएं हो।

सर्वेक्षण की बात में गहरे अर्थ, संदेह एवं शंकाएं निहित हैं। राजननेताओं के बयानों पर राजनीति होना लोकतंत्र का एक हिस्सा है, लेकिन जनता के हितों पर आघात करना दुर्भाग्यपूर्ण है। लोकतन्त्र में सतत् रूप से अमीर-गरीब का विमर्श चलता रहता है, गरीबों के हित की बात करके अधिसंख्य मतदाताओं को लुभाना राजनीतिक चतुराई है, लेकिन जनता को बांटना एवं अलग-अलग खेमों में खड़ा करना, लोकतंत्र को कमजोर करता है। मगर भारत का मतदाता अब इतना सुविज्ञ एवं समझदार हैं कि वे राजनेताओं की मंशा को समझकर उस समय आगे बढ़कर नेतृत्व खुद संभाल लेते हैं जब नेतागण अपना पथ भूल जाते हैं। भारत के चुनावों का इतिहास इसका गवाह रहा है। इसलिए राजनैतिक विमर्श चाहे जितना गर्त में चला जाये मगर मतदाता की सूझबूझ, जागरूकता एवं विवेक कभी मंद नहीं पड़ती।

भले ही सैम पित्रोदा अमेरिका का उदाहरण देकर उस पर भारत में बहस की जरूरत जता रहे थे, लेकिन उन्हें गलत समय ऐसा उदाहरण नहीं देना चाहिए था, जो तथ्यात्मक रूप से पूरी तरह भारत की परिस्थितियों के लिये सही न हो और जिसके विवाद का विषय बनने की भरी-पूरी संभावनाएं हो। यह तो कांग्रेस ही जाने कि वह संपत्ति के सर्वे के जरिये क्या हासिल करना चाहती है, लेकिन इससे इन्कार नहीं कि देश में आर्थिक असमानता कम करने की आवश्यकता है। इसके बाद भी इस आवश्यकता की पूर्ति न तो वामपंथी सोच वाले तौर-तरीकों से की जा सकती है और न ही उन उपायों से, जो समाज में विभाजन पैदा करें। जो भी निर्धन-वंचित हैं या सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े हैं, उनके उत्थान की अतिरिक्त चिंता की जानी चाहिए, लेकिन बिना उनका जाति, मजहब देखे, बिना विभाजन की राजनीति को किये।

सैम पित्रोदा, राजनीति की दुनिया में यह नाम कोई नया नहीं है, कांग्रेस के शासन में तकनीकी एवं आधुनिक विकास के वे पुरोध रहे हैं। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के सलाहकार रह चुके पित्रोदा इस समय राहुल के खास लोगों में से एक हैं। पित्रोदा अपने काम से कम अपने बयानों के चलते ज्यादा चर्चे में रहते हैं। उनके बयान अक्सर कांग्रेस के लिए भी सरदर्द बनते रहे हैं। पित्रोदा के अनेक बयान पहले भी विवाद एवं कांग्रेस के सिरदर्द की वजह बन चुके हैं। साल 2019 में ही उन्होंने एक टीवी इंटरव्यू में कहा कि मिडिल क्लास को स्वार्थी नहीं होना चाहिए। उन्हें अधिक से अधिक टैक्स देने के लिए तैयार रहना चाहिए। मध्यमवर्गीय परिवार को रोजगार और अधिक अवसर मिलेंगे। इस बयान ने भी कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ाई थीं और पार्टी को डैमेज कंट्रोल करना पड़ा था। पित्रोदा यहीं नहीं रुके, उन्होंने 2019 के ही पुलवामा हमले पर कहा था कि ऐसे हमले तो होते रहते हैं, मुंबई में भी हमला हुआ था। निश्चित ही कांग्रेस के शासन में ऐसे हमले एवं साम्प्रदायिक दंगे होते ही रहते थे। उन्होंने बालाकोट एयरस्ट्राइक ऑपरेशन पर सबूत मांगे थे।

सैम पित्रोदा के बयान एवं कांग्रेस के घोषणा पत्र के निजी सम्पत्ति सर्वे की बात में अवश्य ही रिश्ता है, जिसने पूरे देश के सामने कांग्रेस का मकसद स्पष्ट कर दिया है कि निजी संपत्ति का सर्वे कर निजी संपत्ति को सरकारी खजाने में डालकर वह इस धन को अपने वोट बैंक में बांटना चाहती है। ऐसी योजना यूपीए सरकार में तय भी हुई थी कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यक और उसमें भी सबसे अधिक मुस्लिमों का है, उस प्रकार से कांग्रेस की यह मुसलमानों को लुभाने एवं उन्हें लाभ पहुंचाने की अघोषित चुनावी घोषणा है, इस तरह की घोषणाएं लोकतंत्र में सुशासन एवं राजनीति मूल्यों को धुंधलाने की कुचेष्टा ही कही जायेगी। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नेता बादशाह नहीं होता बल्कि साधारण मतदाता बादशाह होता है क्योंकि उसके ही एक वोट से सरकारें बनती और बिगड़ती हैं। मतदाता को जो मूर्ख समझते हैं उनसे बड़ा मूर्ख दूसरा नहीं होता। ऐसे तथाकथित बयानों से भारत में संसदीय प्रणाली का लोकतंत्र कभी भी प्रभावित नहीं होगा, वह सफल रहा है और रहेगा क्योंकि भारत के लोग अनपढ़ व गरीब हो सकते हैं मगर वे अज्ञानी या मूर्ख नहीं है। उनका व्यावहारिक ज्ञान बहुत मजबूत होता है और वे राजनीतिक दलों के भ्रम में नहीं आने वाले, गुमराह नहीं होने वाले। यह सच है कि जब से भारत में जातिवादी, क्षेत्रवादी, भाषावादी, वर्गवादी व सम्प्रदायवादी राजनीति का बोलबाला हुआ है तभी से राजनीति के विमर्श में गिरावट आनी शुरू हुई है, लेकिन इस गिरावट को संभालने के लिये मतदाता को अधिक परिवक्व एवं समझदार होने की अपेक्षा है।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जगत में दरिद्रता के समान दु:ख नहीं है तथा संतों के मिलने के समान जगत में सुख नहीं है। और हे पक्षीराज! मन, वचन और शरीर से परोपकार करना, यह संतों का सहज स्वभाव है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

संत सहहिं दुख पर हित लागी। पर दुख हेतु असंत अभागी॥
भूर्ज तरू सम संत कृपाला। पर हित निति सह बिपति बिसाला॥
संत दूसरों की भलाई के लिए दु:ख सहते हैं और अभागे असंत दूसरों को दु:ख पहुँचाने के लिए। कृपालु संत भोज के वृक्ष के समान दूसरों के हित के लिए भारी विपत्ति सहते हैं (अपनी खाल तक उधड़वा लेते हैं)॥
सन इव खल पर बंधन करई। खाल कढ़ाई बिपति सहि मरई॥
खल बिनु स्वारथ पर अपकारी। अहि मूषक इव सुनु उरगारी॥
किंतु दुष्ट लोग सन की भाँति दूसरों को बाँधते हैं और (उन्हें बाँधने के लिए) अपनी खाल खिंचवाकर विपत्ति सहकर मर जाते हैं। हे सर्पों के शत्रु गरुड़जी! सुनिए, दुष्ट बिना किसी स्वार्थ के साँप और चूहे के समान अकारण ही दूसरों का अपकार करते हैं॥
पर संपदा बिनासि नसाहीं। जिमि ससि हति हिम उपल बिलाहीं॥
दुष्ट उदय जग आरति हेतू। जथा प्रसिद्ध अधम ग्रह केतू॥
वे पराई संपत्ति का नाश करके स्वयं नष्ट हो जाते हैं, जैसे खेती का नाश करके ओले नष्ट हो जाते हैं। दुष्ट का अभ्युदय (उन्नति) प्रसिद्ध अधम ग्रह केतु के उदय की भाँति जगत के दु:ख के लिए ही होता है॥
संत उदय संतत सुखकारी। बिस्व सुखद जिमि इंदु तमारी॥
परम धर्म श्रुति बिदित अहिंसा। पर निंदा सम अघ न गरीसा॥
और संतों का अभ्युदय सदा ही सुखकर होता है, जैसे चंद्रमा और सूर्य का उदय विश्व भर के लिए सुखदायक है। वेदों में अहिंसा को परम धर्म माना है और परनिन्दा के समान भारी पाप नहीं है॥
हर गुर निंदक दादुर होई। जन्म सहस्र पाव तन सोई॥
द्विज निंदक बहु नरक भोग करि। जग जनमइ बायस सरीर धरि॥1
शंकरजी और गुरु की निंदा करने वाला मनुष्य (अगले जन्म में) मेंढक होता है और वह हजार जन्म तक वही मेंढक का शरीर पाता है। ब्राह्मणों की निंदा करने वाला व्यक्ति बहुत से नरक भोगकर फिर जगत में कौए का शरीर धारण करके जन्म लेता है॥

(क्रमश:..)

तीसरे मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने की पैरवी

पिछले कुछ दिनों से राहुल गांधी देश में घूम-घूम कर बराबर मांग कर रहे हैं कि झारखंड और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों को भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते भाजपा सरकार ने जेल भेज दिया है, लेकिन भ्रष्टाचार के इसी प्रकार के आरोपों के कारण केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा? राहुल गांधी का कहना है कि विजयन को बिना देर किए तुरंत गिरफ्तार कर लेना चाहिए। राहुल गांधी को गुस्सा और आश्चर्य है कि उसे गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा? वे इसका विश्लेषण करते हुए कहते हैं कि केरल में भारतीय जनता पार्टी पिनराई विजयन से मिली हुई है। यहां यह बताना जरूरी है कि पिनराई विजयन सीपीएम के नेता हैं और सीपीएम तथाकथित इंडिया गठबंधन में राहुल गांधी की कांग्रेस की सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी है। राहुल गांधी के देश के कम्युनिस्टों से कैसे संबंध हैं, इस पृष्ठभूमि में यह जान लेना भी जरूरी है। इसका सामान्य उत्तर तो यही होगा कि बहुत अच्छे हैं।

यह भी कहा जाता है कि पिछले कुछ वर्षों से तो इतने अच्छे हो गए हैं कि बहुत से कम्युनिस्ट कांग्रेस पार्टी में ही चले गए हैं और उन्होंने वहां राहुल गांधी के रथ की कमान ही संभाल रखी है। उनमें से कुछ ने कांग्रेस के नीति पत्र लिखने का काम संभाल लिया है। शायद यही कारण है कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में स्पष्ट कर दिया है कि वह देश के सभी लोगों का सर्वे करवाएगी और पता करेगी कि लोगों के पास क्या-क्या है। फिर उसे जरूरतमंदों में रिडिस्ट्रिब्यूट करेगी। अब किन लोगों में करेगी, इसको लेकर नरेंद्र मोदी ने अपनी आशंका व्यक्त की है कि कांग्रेस यह पैसा देश में घुस आए अवैध घुसपैठियों में बांट देगी। कांग्रेस का सारा मामला कार्ल मार्क्स वाला बनता जा रहा है।

कम्युनिस्ट भी बहुत खुश थे। सभी रैलियों में वे राहुल गांधी के साथ मंच पर खड़े होकर हाथ लहरा लहरा कर अपनी खुशी का इजहार करते थे। लेकिन इस बीच एक घटना हो गई। राहुल गांधी लोकसभा के लिए हो रहे चुनाव में केरल के वायनाड से खड़े हो गए। कम्युनिस्टों ने संकेतों में उन्हें समझाया भी कि इधर मत आया करो। उधर हिंदी पट्टी से ही चुनाव लड़ा करो। लेकिन राहुल गांधी नहीं माने। वे जानते हैं कि हिंदी पट्टी बहुत तप रही है। वहां चुनाव लडना अब खतरे से खाली नहीं रहा। 2019 की चोट राहुल गांधी भूले नहीं हैं। इसलिए वे फिर वायनाड में दिखाई देने लगे। स्वाभाविक है कम्युनिस्टों को गुस्सा आता और यह गुस्सा आ भी रहा है। जब दो गहरे मित्र लड़ते हैं तो कई बार मामला बहुत बढ़ जाता है और अजीब अजीब रहस्योद्घाटन होने लगते हैं। राहुल गांधी और कम्युनिस्टों के मामले में भी ऐसा ही हो रहा है। राहुल गांधी ने पिनराई विजयन को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार करने की मांग शुरू कर दी है। जाहिर है इससे लैफ्ट डैमोक्रेटिक फ्रंट को भी गुस्सा आता। केरल में सीपीएम ने कुछ दलों को साथ लेकर एलडीएफ यानी लैफ्ट डैमोक्रेटिक फ्रंट बना रखा है।

मोर्चा ने भी राहुल गांधी को लेकर कुछ मांगें करनी शुरू कर दीं। लेकिन ताज्जुब है कि मोर्चा ऐसी मांगें कर रहा है, जो अपने स्वरूप में राजनीतिक न होकर मौलिक प्रकार की हैं। मोर्चा के एक विधायक पीवी अनवर ने मांग की है कि राहुल गांधी के डीएनए की तुरंत जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल इस देश में चौथे

दर्जे के नागरिक हैं और उन्हें अपने नाम से तुरंत गांधी नाम हटा देना चाहिए। अनवर की इस मांग के कारण दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए हैं। राहुल गांधी कहते हैं कि पिनराई विजयन को भ्रष्टाचार के चलते गिरफ्तार करो और मोर्चा कहता है कि राहुल गांधी का डीएनए टैस्ट कराओ। मामला गम्भीर होता देख पत्रकारों के मन में आया कि इस विषय पर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन से भी बात कर लेनी चाहिए। लेकिन विजयन तो उससे पहले ही सक्रिय हो गए थे। उन्होंने एक चुनावी सभा में राहुल पर एक बहुत ही गहरा प्रहार किया। इस प्रहार की मारक क्षमता को मध्य काल के हिंदी कवि बिहारी के एक दोहे की सहायता से समझा जा सकता है। बिहारी के दोहों के बारे में कहा जाता है, 'देखन में छोटे लगें, घाव करें गम्भीर।'

विजयन का जनसभा में किया गया प्रहार ऊपर से देखने से तो मामूली लगता है, लेकिन घाव बहुत गहरा कर गया है। पूरा सोनिया परिवार मरहम पट्टी करने में व्यस्त है। पिनराई विजयन ने कहा, 'राहुल जी, अतीत में आपको एक नाम से संबोधित किया गया था। अब ऐसी बातें मत करो जिससे लगे कि आप अभी तक वहीं के वहीं खड़े हो।' उस समय तो जनसभा में बैठे बहुत से श्रोता भी नहीं समझ सके कि कामरेड विजयन क्या कह रहे हैं, लेकिन दो-तीन घंटों में ही केरल के चैनलों ने अर्थ समझाना शुरू कर दिया। दरअसल 2011 में केरल के ही उस समय के मुख्यमंत्री कामरेड अच्युतानंदन ने राहुल के बारे में पूछे जाने पर कहा था कि वह तो 'अमूल बेबी' है। उस समय से केरल में राहुल गांधी को अमूल बेबी कहा जाने लगा था। बाद में उत्तर भारत में राहुल गांधी को पप्पू कहा जाने लगा। सोनिया परिवार के लिए राहुल गांधी के इस तरह के नामों से छुटकारा पाना भी एक राजनीतिक समस्या ही बन गई।

कुछ महीने पहले जब राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा निकाली तो प्रियंका गांधी से पत्रकारों ने पूछा था कि इस यात्रा की उपलब्धियां क्या हैं, तो तब प्रियंका ने एक उपलब्धि यह भी बताई थी कि इस यात्रा से लोगों को पता चल गया है कि राहुल अब पप्पू नहीं रहा, उससे बहुत आगे निकल चुका है। लेकिन अब 2024 में विजयन निराश हैं कि राहुल बौद्धिक स्तर पर अभी भी 2011 में ही रुके हुए हैं, यानी 'अमूल बेबी'। इस सबके बावजूद कांग्रेस और सीपीएम देश भर में सांझी चुनाव रैलियां भी कर रहे हैं। इन रैलियों में राहुल भी होते हैं और सीपीएम के दिग्गज भी। पर धुकधुकी दोनों को लगी रहती है। कामरेड डरे रहते हैं कि कहीं राहुल मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की गिरफ्तारी की मांग न कर दें, और कांग्रेस वाले डरे रहते हैं कि कहीं कामरेड राहुल गांधी के डीएनए की जांच की मांग न कर दें। यही हालत पंजाब में है।

चंडीगढ़ में आम आदमी पार्टी के भगवंत मान कहते हैं कि कांग्रेस से अच्छी कोई पार्टी नहीं है। इसके प्रत्याशी को जिताओ। लेकिन दस कदम चलने पर पंजाब आ जाता है। वहां कार से उतर कर वही भगवंत मान चिल्लाते हैं, कांग्रेस से बचो। यह सबसे बड़ी भ्रष्टाचार है। स्थिति दिन-प्रतिदिन हास्यास्पद होती जा रही है। लेकिन दोनों बराबर डटे हुए हैं कि भाजपा को हराना है। दरअसल आज भारतीय राजनीति का सबसे बड़ा संकट विश्वसनीयता को लेकर है। राजनीतिक दल येन केन प्रकारेण सत्ता हथियाना चाहते हैं। विचारधारा की उनकी दृष्टि में कोई अहमियत नहीं रह गई है। अभी तक सीपीएम के बारे में यह माना जाता था कि वह विचारधारा पर आधारित पार्टी है। लेकिन वह अपने विदेशी स्वभाव के कारण सौ साल बीत जाने पर भी हिंदुस्तान में अपने पैर नहीं जमा सकी। समाप्ति के इस अंतिम चरण में उसने भी किसी न किसी तरह 'सांस चलती रहे' के सूत्र को आधार मान कर कांग्रेस के साथ गठबंधन करके अपनी स्थिति हास्यास्पद बना ली है। ऊपर के सभी प्रकरण इसी पृष्ठभूमि में समझे जा सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी पर भी यह आरोप लग रहा है कि उसने भी दूसरे दलों के अनेक लोगों को शामिल कर लिया है। लेकिन भाजपा उन लोगों का उपयोग भी अपनी वैचारिक यात्रा को गति प्रदान करने के लिए ही कर रही है। यही कारण है कि आज सब राजनीतिक दल चिल्ला रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी अपने एजेंडे के हर काम को क्रियान्वित कर रही है।

-कुलदीप चंद अग्निहोत्री
वरिष्ठ स्तंभकार

राशिफल

वैशाख कृष्ण पक्ष : तृतीया (विक्रम संवत् 2081)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) शुभता के प्रतीक बने रहेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम-संतान की स्थिति बहुत अच्छी होगी। व्यापार बहुत अच्छा होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो) घर में थोड़ा सा तू-तू, मैं-मैं की स्थिति बनी हुई है। एक कलहकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा) स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रेम, संतान की स्थिति भी मध्यम है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा) रुपये, पैसे की स्थिति थोड़ी सुदृढ़ हो रही है। धन का आवक बढ़ रहा है। कुटुंब में वृद्धि हो रही है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे) ऊर्जावान बने रहेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम,संतान की स्थिति बहुत अच्छी होगी। व्यापार भी बहुत अच्छा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) ऊर्जा का ह्रास हो रहा है। मन चितिंत है। व्यग्रता बढ़ी हुई है। स्वास्थ्य मध्यम है। प्रेम, संतान ठीक है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त) आय के नवीन स्तोत्र बनेंगे। पुराने स्तोत्र से भी पैसे आएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। स्वास्थ्य थोड़ा नरम-गरम।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू) वृश्चिक राशि की स्थिति ठीक है। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ है। कोर्ट-कचहरी में विजय। सरकारी तंत्र का लाभ।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे) भाग्यवश कुछ काम बनेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। यात्रा के योग बनेंगे। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी) चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। थोड़ा बचकर पार करें। स्वास्थ्य मध्यम।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द) नौकरी-चाकरी की स्थिति भी अच्छी होगी। जो लोग विवाहित हैं वो जीवनसाथी के साथ रंगीन और बहुत अच्छा समय गुजारेंगे।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि) शत्रु डिस्टर्ब करेंगे लेकिन जीत जाएंगे आप। स्वास्थ्य थोड़ा नरम-गरम। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार अच्छा है।

श्रीरामकथा में हो रहे संगीतमय भजन पर झूमे श्रोता

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-81 स्थित शिव मंदिर के बगल में हो रहे 21 कुंडी श्री राम महायज्ञ एवं श्री राम कथा का आयोजन गत 18 अप्रैल से संगीतमय भजन के साथ हो रहा है।

इस राम कथा में क्षेत्र के साथ-साथ आसपास के गांव एवं सेक्टरों के लोग कथा सुनने के लिए पंडाल में पहुंच रहे हैं। कथा के आयोजक किसान नेता सुभाष भाटी ने बताया कि महामंडलेश्वर ओमकार दास महाराज श्रीमाधोपुर राजस्थान के सानिध्य में यह कथा चल रही है। उन्होंने बताया कि 21 कुंडी यज्ञ का आयोजन कल हुआ था जिसमें क्षेत्र के सुख संपन्नता को लेकर आहुति डाली गई। उन्होंने क्षेत्र के लोगों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इतने बड़े आयोजन को बड़ी ही सफलता के साथ संपन्न करना श्री भगवान के हाथ में ही है। उन्होंने कहा की अनंत विभूषित श्रीमद् जगतगुरू रामानंद कर स्वामी श्री वल्लभाचार्य जी महाराज एवं अन्य संतों की कृपा से यह आयोजन सकुशल संपन्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि 21 कुंडी श्री राम महा यज्ञ का समापन कल किया जाएगा जिसमें क्षेत्र एवं गांव सेक्टर के भारी संख्या में लोग मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि आज 21 कुंडी श्री राम सहायक स्थल पर ही भव्य भंडारे का आयोजन भी किया गया।

इस अवसर पर किसान नेता सुभाष भाटी, सिंहराज भाटी, मयंक भाटी, सागर भाटी, सुरेंद्र सहित संख्या में लोग मौजूद रहे।

पूरा देश मोदीमय डा. महेश शर्मा की होगी ऐतिहासिक जीत : प्रणीत भाटी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कल लोकसभा चुनाव के मतदान के बाद भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र के संयोजक प्रणीत भाटी ने पार्टी प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा की जीत का अंतर बताते हुए कहा कि 5 लाख से अधिक मतों से पार्टी प्रत्याशी की ऐतिहासिक जीत होने जा रही है।

बताते चलें कि एक महीने की भागदौड़ एवं कड़ी मेहनत के बाद आज प्रणीत भाटी से हुई टेलीफोन पर अनौपचारिक बातचीत के दौरान उन्होंने दावा किया कि गौतमबुद्धनगर ही नहीं पूरा देश मोदी में हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से देश का मान सम्मान बढ़ाया है वह जनता के जेहन में उतर गया है। उन्होंने कहा कि अब जातिवाद एवं धर्मवाद तथा परिवारवाद किसी कीमत पर चलने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस दिन परिणाम आएगा सबको पता चल जाएगा।

उन्होंने कहा कि गौतमबुद्धनगर क्षेत्र में पड़ने वाले पांचों विधानसभा में पार्टी प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा की ऐतिहासिक जीत होगी। उन्होंने दावा किया की पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ गौतमबुद्धनगर की जनता ने जो स्नेह एवं प्यार दिया है वह उसके लिए हम सभी भाजपा के लोग उनके सदैव ऋणि रहेंगे।

उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण मतदान के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस के आला अफसर धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग जातिवाद एवं परिवारवाद का नारा देकर चुनाव को बदलने का काफी प्रयास किया लेकिन वह सफल नहीं हो पाया। आज पूरा देश राष्ट्रवाद के मुद्दे पर एक है।

भारतीय किसान यूनियन बलराज संगठन के बैनर तले अनिश्चितकालीन धरना सेक्टर-142 नोएडा शहदरा गांव में आज 74वें दिन भी जारी रहा।

खेत में काम कर रहे किसान पर गिरी आकाशीय बिजली

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कल शाम को आई तेज आंधी व बारिश के दौरान गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में एक किसान आ गया। इस घटना में उसकी मौत हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि शुक्रवार की रात को थाना दनकौर क्षेत्र के ग्राम अट्टा गुजरान के रहने वाले किसान प्रदीप पुत्र हर प्रसाद उम्र 45 वर्ष अपने खेत में काम कर रहे थे, तभी शाम 6.30 बजे के करीब तेज आंधी व बारिश के बीच आकाशी बिजली गिरी। वह आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए, तथा उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ-2024 की संख्या में वृद्धि

पूर्व घोषित ग्रीष्मकालीन स्पेशल रेल सेवाओं के साथ-साथ निम्नलिखित अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन रेल सेवाएँ भी निम्नानुसार संचालित की जायेंगी:-

गाड़ी सं. 01109/01110 छत्रपति शिवाजी महाराज ट.-गोरखपुर जं.-छत्रपति शिवाजी महाराज ट. विशेष रेलगाड़ी — 04 फेरे

गाड़ी सं. 01109 आगमन	गाड़ी सं. 01109 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 01110 आगमन	गाड़ी सं. 01110 प्रस्थान
—	23:50	छत्रपति शिवाजी महाराज ट.	23:15	—
02:35	02:40	लखनऊ	16:50	16:55
08:20	--	गोरखपुर जं.	--	11:20

चलने के दिन: **01109 छत्रपति शिवाजी महाराज ट.** से 28.04.2024 (रविवार) एवं 02.05.2024 (गुरूवार) को तथा **01110 गोरखपुर जं.** से 30.04.2024 (मंगलवार) एवं 04.05.2024 (शनिवार) को।
स्थान: 3 टियर वाता. इकॉनॉमी।
ठहराव: दादर, कल्याण जं., इगतपुरी, नाशिक रोड, भुसावल जं., खंडवा जं., इटारसी जं., भोपाल जं., बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा जं. एवं बस्ती स्टेशन।

गाड़ी सं. 09557/09558 भावनगर ट.- दिल्ली कैंट - भावनगर ट. विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 18 फेरे

गाड़ी सं. 09557 आगमन	गाड़ी सं. 09557 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 09558 आगमन	गाड़ी सं. 09558 प्रस्थान
—	15:15	भावनगर ट.	12:25	—
13:10	--	दिल्ली कैंट	--	15:25

चलने के दिन: **09557 भावनगर ट.** से 03.05.2024 से 28.06.2024 तक (शुक्रवार) तथा **09558 दिल्ली कैंट** से 04.05.2024 से 29.06.2024 तक (शनिवार)
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: भावनगर पारा, सिहोर जं., धोला जं., बोटाद, सुरेन्द्रनगर गेट, विरमगाम जं., चांदलोडिया 'बी', मेहसाना जं., पालनपुर जं., आबू रोड, फालना, मारवाड़ जं., ब्यावर, अजमेर जं., किशनगढ़, फुलेरा जं., रींगस जं., नीम का थाना, नारनौल, रेवाड़ी जं. एवं गुड़गाँव स्टेशन।

गाड़ी सं. 09044 बरौनी जं.-बांद्रा टर्मिनस विशेष रेलगाड़ी — 01 फेरा

स्टेशन	गाड़ी सं. 09044 आगमन	गाड़ी सं. 09044 प्रस्थान
बरौनी जं.	—	10:20
बारांबकी	01:33	01:35
बांद्रा टर्मिनस	07:05	--

चलने के दिन: **09044 बरौनी जं.** से 29.04.2024 (सोमवार) को।
स्थान: शयनयान।
ठहराव: समस्तीपुर जं., मुज़फ्फरपुर जं., बापूधाम मोतिहारी, नरकटियागंज जं., गोरखपुर जं., बस्ती, गोंडा जं., बाराबंकी, ऐशबाग, कानपुर सेंट्रल, इटावा जं., टूण्डला जं., आगरा किला, बयाना जं., गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर जं., कोटा जं., नागदा जं., रतलाम जं., गोधरा जं., वडोदरा जं., भरूच जं., सायन, सूरत, उधना जं., वलसाड, वापी, बोईसर एवं बोरीवली स्टेशन।

गाड़ी सं. 03423/03424 भागलपुर जं.- हरिद्वार- भागलपुर जं. विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 18 फेरे

गाड़ी सं. 03423 आगमन	गाड़ी सं. 03423 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 03424 आगमन	गाड़ी सं. 03424 प्रस्थान
—	13:55	भागलपुर जं.	21:20	—
17:55	--	हरिद्वार	--	19:55

चलने के दिन: **03423 भागलपुर जं.** से 29.04.2024 से 24.06.2024 तक (सोमवार) तथा **एवं 03424 हरिद्वार** से 30.04.2024 से 25.06.2024 (मंगलवार)।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: सुलतानगंज, जमालपुर जं., अभयपुर, किऊल जं., मोकामा, बख्तियारपुर जं., पटना जं., आरा जं., बक्सर, प.दीन दयाल उपाध्याय जं., वाराणसी, जौनपुर जं., अयोध्या धाम जं., लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद जं. एवं लक्सर जं. स्टेशन।

गाड़ी सं. 06225/06226 हुब्बल्लि जं.- योग नगरी ऋषिकेश- हुब्बल्लि जं. विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 10 फेरे

गाड़ी सं. 06225 आगमन	गाड़ी सं. 06225 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 06226 आगमन	गाड़ी सं. 06226 प्रस्थान
—	21:45	हुब्बल्लि जं.	17:30	—
18:45	--	योग नगरी ऋषिकेश	--	17:55

चलने के दिन: **06225 हुब्बल्लि जं.** से 29.04.2024 से 27.05.2024 तक (सोमवार) तथा **एवं 06226 योग नगरी ऋषिकेश** से 02.05.2024 से 30.05.2024 (गुरूवार)।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान।
ठहराव: धारवाड़, बेलगवि, घटप्रभा, मिरज जं., सातारा जं., पुणे, कोपरगांव, मनमाड जं., भुसावल जं., खंडवा जं., भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, ह. निज़ामुद्दीन, गाज़ियाबाद जं., मेरठ सिटी, खतौली, मुज़फ्फरनगर, देवबन्द, टपरी, रूड़की एवं हरिद्वार स्टेशन।

उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों की समय-सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

1266/2024
रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139
रेलमदद वेबसाइट देखें : www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें
पर हमें फॉलो करें
उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा - हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
आज़ादी का अमृत महोत्सव
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

भाकियू टिकैत के पश्चिम प्रदेश के अध्यक्ष पवन खटाना कल अपने गांव में अपनी धर्मपत्नी के साथ वोट डाला।

चुनाव में सुरक्षा के लिए लगाये गये सुरक्षाकर्मियों को सरबत पिलाते भाकियू पश्चिमी प्रदेश के अध्यक्ष पवन खटाना।

सेक्टर-151 स्थित जेपी अमन सोसायटी के एओए के अध्यक्ष एवं भाजपा नेता योगेश सिंह ने कल अपनी पत्नी के संग मतदान किया।

रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा के पूर्व अध्यक्ष मुकुल गोयल कल अपने परिवार के साथ मतदान किया।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

पोलिंग बूथों से मतदान के बाद तैयारी में जुटे तथा फूलमंडी में ईवीएम मशीनें ले जाते मतदानकर्मी।

अपने परिवार के साथ खुर्जा विधानसभा के गांव माचड़ में मतदान करने के बाद अंगुली की स्याही दिखाती राष्ट्रीय लोकदल की प्रदेश प्रवक्ता प्रियंका अत्री।

सेक्टर-8, 9, 10 बांस बल्ली मार्केट में मतदान के बाद स्याही दिखाते वरिष्ठ युवा कांग्रेस नेता परवेज व उनके साथी।

सेक्टर-11 में मतदान के बाद अंगुलियों की स्याही दिखाते भारत विकास परिषद के पूर्व अध्यक्ष पंकज जिंदल, पूर्व अध्यक्ष कुलदीप गुप्ता, तथा उद्योगपति एवं नोएडा के गणमान्य नागरिक देवेन्द्र गंगल, अतुल वर्मा, प्रदीप अग्रवाल, केशव गंगल, मनीष अग्रवाल, मुकेश गुप्ता, सांसद सतीश गौतम के भाई दीपक गौतम, पारेश गुप्ता तथा भारत विकास परिषद के पूर्व महामंत्री एवं आरडब्ल्यूए के सह-कोषाध्यक्ष अनुज गुप्ता आदि।

प्राचीन बाराही मेला-2024

'मेरा रंग दे बंसती चोला, मई रंग दे बंसती चोला'

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर में चल रहे ऐतिहासिक प्राचीनकालीन बाराही मेला-2024 के चौथे दिन, गुरूवार को एनएस पब्लिक स्कूल सूरजपुर के बच्चों ने एजुकेशन डांस की प्रस्तुति देते हुए खास संदेश दिया। जब कि रात्रिकालीन रागनियों के रंगारंग कार्यक्रम में ज्ञानेंद्र सरदाना एंड पार्टी के कलाकारों ने एक से बढ कर एक रागनियों की प्रस्तुति देते हुए लोगों को मनमोह लिया। चौपाल पर हुक्का, सबसे बडी खाट, बैलगाडी, रई, आटा पीसने वाली चक्की, राया और बैलगाडी प्रमुख आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। यहां नगांडा पार्टी के कलाकार लोगों का खूब मनोरंजन कर रहे हैं। लोक कला संस्कृति मंच से बीन पार्टी और हरियाणा व राजस्थान के कलाकारों द्वारा गीत संगीत की प्रस्तुति लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं।

बाराही मेले के संस्कृति मंच से गुरूवार की रत्रि को रागनियों की श्रंखला में प्रीति चौधरी ने देश भक्ति रागनी- **मेरा रंग दे बंसती चोला, मई रंग दे बंसती चोला..........** और ज्ञानेंद्र सरदाना ने महाभारत के किस्से से- तीनो युग हो गए समाप्त, कलयुग का झंडा भारी........ प्रस्तुति दी। बेटी बचाओ बेटी पढाओं अभियान पर आधारित मार्मिक रागनी प्रस्तुत करते हुए--- मुझे मां गिला, मिला ये ही सिला, बेटियां क्यों पराई है- बेटियां क्यों पराई है.... कलाकार प्रीति चौधरी खुद भी भावुक होते हुए नजर आई। मुस्कान बेबी और सुषमा चौधरी ने बारी बारी से मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति देते हुए खूब धमाल मचाया। प्रवेश शर्मा और सुषमा चौधरी ने सत्यवान सावित्री के किस्से से रागनी प्रस्तुत करते हुए खूब वाहवाही लूटी। गोपीचंद के किस्से को पूरे 5 रागनियों की श्रंखला में पिरोते हुए ज्ञानेंद्र सरदाना, प्रीति चौधरी और अजय भडाना ने सुनाते हुए श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। शिव मंदिर बाराही मेला समिति के अध्यक्ष प्रधान धर्मपाल भाटी ने कहा कि बाराही मेला के संस्कृति मंच पर पूरे 12 दिन तक यह रागनियों को सिलसिला चलता रहेगा। ज्ञानेद्र सरदाना एंड पार्टी के कलाकारों द्वारा यहां गोपी चंद के किस्से को पूरे 5 रागनियों में प्रस्तुत किया जा चुका है, कोई दूसरे रागनी कलाकार को इसे दोहराने की छूट नही होगी।

शिव मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष धर्मपाल भाटी, महासचिव ओमवीर बैंसला, मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा और बिजेंद्र ठेकेदार, जगदीश भाटी एडवोकेट, भीम खारी, महाराज सिंह उर्फ पप्पू, अनिल कपासिया, योगेश अग्रवाल, टेकचंद प्रधान, आदि पदाधिकारियों ने ज्ञानेद्रं सरदाना एंड पार्टी के कलाकरों का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

शिव मंदिर सेवा समिति के महासचिव ओमवीर बैंसला ने बताया कि ऐतिहासिक बाराही मेला-2024 में कठपुतली शो, नट कला,मौत का कुआ, सर्कस जादूगर शो और विभिन्न प्रकार के झूले आदि खेल तमाशे लगातार लोगों का मनोंरजन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बाराही मेले के अंतिम दिन 04 मई-2024 को दोपहर 2.30 बजे से 101 रूपये से लेकर 31000 रूपये तक के दंगल में दूर दूर से आकर पहलवान अपनी मल्ल कला का प्रदर्शन करेंगे। यह दंगल प्रति वर्ष की भांति इस बार भी स्व0 जयपाल भगती जी की स्मृति में उनके पुत्र स्व0 श्रीचंद भाटी, सतवीर भाटी और राजवीर भगतजी के द्वारा आयोजित किया जाएगा।

मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा ने बताया कि कल दिनांक 27 अप्रैल.2024, दिन शनिवार सांय हरियाणा और राजस्थान के कलाकारों तथा राधे स्नेह विद्या निकेतन स्कूल के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। जब कि रात्रिकालीन रागनियों के रंगारंग कार्यक्रमों में रविंद्र बैसला और संध्या चौधरी एंड पार्टी के कलाकारों में बले भाटी, उदयवीर बैसला, जनकराज, प्रवीन, पायल चौधरी, अजंलि शर्मा खास प्रस्तुतियां देंगे।

इस मौके पर कार्यक्रम मे राजकुमार नागर, देवा शर्मा, राजेश शर्मा, सुभाष शर्मा कैसेट वाले, सुनील शर्मा, विशाल गोयल, हरि शर्मा, राजपाल भडाना आदि मेला समिति के पदाधिकारी और गणमान्यजन उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

53.30 फीसदी के साथ....

संयुक्त रूप से जनपद की तीनों विधानसभाओं में बनाए गए विभिन्न बूथों पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण भी किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा जनपद में मतदान सकुशल संपन्न होने पर सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों के कार्यों की सराहना की। इस वर्ष मतदान का फीसदी घटने पर विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा एनजीओ व गणमान्य नागरिकों ने चिंता जताई है।

हनुमान जन्मोत्सव पर ....

मंत्री दिनेश महावर, उपाध्यक्ष सत्यवीर, कोषाध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी, धर्म प्रसार प्रमुख राजीव शर्मा, सह मंत्री प्रवेश, सह धर्म प्रसार प्रमुख जितेंद्र, प्रचार प्रमुख राहुल दुबे समेत हजारों नागरिक मौजूद थे।

बिल्डर के गुंडों ने ...

बैठक में एओए ने हैंडओवर मांगा। इसी बात पर बिल्डर के लोग हंगामा करने लगे। आरोप है कि बिल्डर के लोगों ने निवासियों के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की। इस दौरान जमकर बवाल हुआ।

धीरज ने बताया कि इस मामले के बाद सोसाइटी के भीतर माहौल ठीक नहीं है। एओए पदाधिकारी को पुलिस ने थाने में बैठाया हुआ है। यह गलत बात है, जिन लोगों के साथ गलत हुआ। पुलिस ने उन्हीं को ही पकड़ लिया है। जबकि आरोपी बिल्डर पर अभी तक कोई एक्शन नहीं लिया गया। सोसाइटी में इस समय तनाव का माहौल है।

पूछताछ में रवि काना ....

तथा इस गैंग में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि रवि की पत्नी श्रीमती मधु की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को पता चला कि आरोपी अपनी महिला मैनेजर के साथ बैंकॉक में है। उन्होंने बताया कि नोएडा पुलिस सीबीआई, इंटरपोल और उन एजेंसियों के माध्यम से रवि काना की गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत थी। नोएडा पुलिस द्वारा जारी की गई नोटिस के आधार पर ही बैंकॉक पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था।

बताया जाता है कि रवि काना से पूछताछ के लिए पुलिस की विशेष टीम बनाई गई है। पुलिस के पास सवालों की लंबी लिस्ट है तथा पुलिस के पास कई लोगों के खिलाफ ठोस सबूत भी है जो रवि काना के गैंग के लिए परोक्ष या अपरोक्ष रूप से कार्य करते थे।

मालूम हो कि जनवरी में थाना बीटा-2 पुलिस द्वारा रवि काना और उसके गिरोहों के 15 सदस्यों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई की गई थी और उससे पहले दिसंबर माह मे नोएडा के थाना सेक्टर-39 में रवि काना और उसके सहयोगियों पर गैंगरेप का मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस लंबे समय से रवि की तलाश कर रही थी। रवि के गिरोह के काफी सदस्य और उसकी पत्नी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं, लेकिन रवि व उसकी महिला मैनेजर लगातार फरार चल रहे थे।

पुलिस को पहले ही शक था कि वे देश छोड़कर कहीं भाग चुके है। इसी को लेकर उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया था। नोएडा पुलिस इस मामले में थाईलैंड पुलिस के संपर्क में भी थी। उसी कड़ी में थाईलैंड पुलिस ने रवि काना और उसकी महिला मित्र काजल झा को गिरफ्तार कर लिया था।

रवि काना हरेंद्र प्रधान दादुपुर का छोटा भाई है। हरेंद्र प्रधान की हत्या वर्ष 2015 में सुंदर भाटी ने करवाई थी। हरेंद्र नागर हत्याकांड गौतमबुद्ध नगर के चर्चित हत्याकांड में शामिल है। हरेंद्र नागर की हत्या होने के बाद स्क्रैप और सरिया तस्करी का सारा काम रवि काना ने संभाल लिया। हरेंद्र प्रधान हत्याकांड के बाद रवि काना ने अपनी जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा मांगी और सरकार ने रवि काना को पुलिस सुरक्षा दी। सुरक्षा मिलने के बाद रवि ने इसका दुरुपयोग किया। रवि काना ने स्क्रैप माफिया और तस्करी के लिए पुलिस सुरक्षा का इस्तेमाल किया था। रवि के अलावा उसकी भाभी यानी कि हरेंद्र नागर की बीवी बेवन नागर और भाई राजकुमार नागर को भी पुलिस सुरक्षा मिली। हालांकि, रेप का मुकदमा दर्ज होने से करीब 6 महीने पहले रवि काना की पुलिस सुरक्षा हटा ली गई थी।

आम आदमी पार्टी के....

अनियमितताओं से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सवाल जवाब किए। अमानतुल्लाह 18 अप्रैल की सुबह 11 बजे ईडी के दफ्तर पहुंचे थे, इसके बाद उन्होंने अपना बयान दर्ज करवाया। वहीं, जब अमानतुल्लाह पूछताछ के लिए ईडी दफ्तर पहुंचे थे और संजय सिंह जैसे वरिष्ठ आप नेताओं ने दावा किया था कि उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

धनंजय सिंह को मिली....

हालांकि उनकी पत्नी को बसपा ने जौनपुर लोकसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बनाया है। पूर्व सांसद धनंजय के अधिवक्ता कार्तिकेय सरन ने बताया कि जमानत के बावजूद धनंजय चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। क्योंकि हाईकोर्ट ने जमानत तो दी है लेकिन सजा पर रोक नहीं लगाई है। संभव है कि विशेष अदालत से मिली सजा के निलंबन को लेकर धनंजय सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

टी20 विश्व कप के लिए भारत की संभावित टीम

रोहित-कोहली कर सकते हैं ओपनिंग

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2024 में हर मैच के साथ पुरुष टी20 विश्व कप चयन के लिए दावेदारों की सूची में एक नया नाम जुड़ जाता है। दूसरी ओर कुछ लोग अपने शानदार प्रदर्शन के माध्यम से अग्रणी बनने की ओर अग्रसर हैं। यह सब अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के लिए पिछले प्रदर्शन के आधार पर या आईपीएल 2024 में मौजूदा फॉर्म के आधार पर खिलाड़ियों को 15 सदस्यीय भारतीय टीम को अंतिम रूप देना बड़ी समस्या बना देता है। टी20 विश्व कप के लिए टीम का ऐलान होना अभी बाकी है लेकिन किन सदस्यों को जगह मिल सकती है इस पर नजर डाल लेते हैं-

रोहित शर्मा (कप्तान)

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने इस साल फरवरी में घोषणा की थी कि वह मेगा इवेंट में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। आईपीएल 2024 के आठ मैचों में रोहित ने 162.9 की स्ट्राइक रेट के साथ 303 रन बनाए हैं जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ नाबाद 105 रन भी शामिल हैं।

विराट कोहली

रोहित ने अफगानिस्तान श्रृंखला में जयसवाल और गिल के साथ ओपनिंग की, जबकि कोहली ने दो मैचों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की, यह विश्व कप के लिए बदल सकता है। आईपीएल 2024 में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी कोहली को रोहित के साथ सलामी बल्लेबाजी करने के लिए अपग्रेड किया जा सकता है।

सूर्यकुमार यादव

शीर्ष क्रम के पुरुष टी20आई बल्लेबाज पिछले कुछ वर्षों में अपने अपरंपरागत स्ट्रोकप्ले और उससे लगातार रन बनाने के कारण शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। टखने की चोट और स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी से लौटने के बाद सूर्यकुमार दो शून्य के बावजूद अभी भी अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर हैं जिन्होंने पांच पारियों में 140 रन बनाए हैं।

ऋषभ पंत

दिसंबर 2022 में एक जानलेवा कार दुर्घटना में लगी विभिन्न चोटों से उबरने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के बाद से बाएं हाथ का विकेटकीपर-बल्लेबाज अपनी सर्वश्रेष्ठस्थिति में वापस आ रहा है। आईपीएल 2024 के 9 मैचों में पंत ने नौ पारियों में 48.86 के औसत और 161.32 के स्ट्राइक-रेट से 342 रन बनाए हैं। विकेटकीपर के रूप में पंत बेहद प्रभावशाली रहे हैं, उन्होंने 10 कैच लपके और तीन स्टंपिंग की।

शिवम दुबे

जब से चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें आईपीएल 2022 से पहले अपने साथ जोड़ा है, तब से दुबे टी20 में बल्लेबाजी के मामले में सचमुच उलटफेर कर गए हैं। दुबे को मध्य ओवरों में स्पिन-हिटर होने की भूमिका दी गई थी, जिसमें उन्होंने अपनी लंबी पहुंच और शक्तिशाली शॉट्स की बदौलत उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अपने शानदार आईपीएल 2023 के आधार पर उन्होंने भारत की टी20आई टीम में वापसी की और अफगानिस्तान श्रृंखला में प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार भी हासिल किया।आईपीएल 2024 में भी दुबे ने तेज गेंदबाजों के खिलाफ रन बटोरे, खासकर शॉर्ट गेंदों के खिलाफ जो लंबे समय से उनकी दुश्मन रही है।

हार्दिक पांड्या

तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर बल्ले और गेंद दोनों से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, साथ ही आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस के नेता भी हैं। लेकिन उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी दुबे को प्रभाव खिलाड़ी नियम के कारण आईपीएल 2024 में गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिला। इसका मतलब है कि हार्दिक अपने कौशल के कारण 15 सदस्यीय टीम में शामिल हो जाएंगे।आईपीएल 2024 में हार्दिक उतने शानदार हिटर नहीं रहे, जितने के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने 8 पारियों में केवल 151 रन बनाए और केवल सात छक्के लगाए। गेंद के साथ उन्होंने केवल 17 ओवर फेंके और 10.94 की इकॉनमी रेट से सिर्फ चार विकेट लिए।

रिंकू सिंह

बाएं हाथ के बल्लेबाज ने आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ पारी की आखिरी 5 गेंदों पर पांच छक्कों के साथ सुर्खियां बटोरीं। एक ऐसा सीजन जहां उन्होंने लगातार अपनी फिनिशिंग कौशल दिखाया। वह साल के अंत में भारत के लिए टी20आई में पदार्पण किया और 15 मैचों में 356 रन बनाए जिनमें से सात में 176.23 की उच्च स्ट्राइक रेट से नाबाद रहे। हालांकि उन्हें आईपीएल 2024 में केकेआर के लिए फिनिशर बनने के ज्यादा मौके नहीं मिले हैं।

रविंद्र जड़ेजा

जडेजा ने आईपीएल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए चार विकेट लिए हैं और बल्ले से 157 रन बनाए हैं जिसमें कई बार बल्लेबाजी करते समय फ्री होने के लिए संघर्ष करना भी शामिल है। वेस्टइंडीज में पहले खेलने और प्रारूप में एक क्लच खिलाड़ी होने का उनका अनुभव, विशेष रूप से उनकी गेंदबाजी को मदद करने वाली परिस्थितियां उन्हें विश्व कप के लिए एक योग्य खिलाड़ी बनाती हैं।

कुलदीप यादव

आईपीएल 2022 से पहले दिल्ली कैपिटल्स द्वारा चुने जाने के बाद से बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर का इस प्रारूप में शानदार प्रदर्शन रहा है। तब से आईपीएल में मजबूत प्रदर्शन (छह मैचों में 12 विकेट सहित), अंतरराष्ट्रीय वापसी और 5 विकेट लेने के साथ पिछले साल अपने जन्मदिन पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विकेट लेने वाले कुलदीप का वेस्टइंडीज में होने वाले विश्व कप में भारत के लिए मुख्य स्पिनर बनना निश्चित है।

जसप्रीत बुमराह

भारत को बुमराह के एक्स-फैक्टर की बहुत कमी खली, जब वह पीठ की चोट के कारण 2022 टी20 विश्व कप से चूक गए थे जिसके लिए सर्जरी की जरूरत थी। लेकिन तब से बुमराह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और अब 2024 टी20 विश्व कप में भारत के लिए नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। आईपीएल 2024 में बुमराह आठ मैचों में 13 विकेट के साथ अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

अर्शदीप सिंह

मोहम्मद शमी अकिलिस सर्जरी से उबर रहे हैं और मोहम्मद सिराज आईपीएल 2024 में सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं, इसका मतलब है कि अर्शदीप की भूमिका उस प्रारूप में बहुत अधिक महत्वपूर्ण होगी जिसने भारतीय टीम में उनके प्रवेश को प्रशस्त किया और 2022 टी20 विश्व कप में 10 विकेट लिए। हालांकि अंतरराष्ट्रीय खेलों के साथ-साथ आईपीएल 2024 में भी उनका फॉर्म ऊपर-नीचे होता रहा है, लेकिन पावर-प्ले और डेथ ओवरों में गेंदबाजी करने का अर्शदीप का कौशल विश्व कप में भारत के लिए उपयोगी हो सकता है।

आवेश खान

आवेश ने आईपीएल 2024 में अपनी डेथ ओवरों की गेंदबाजी में काफी सुधार दिखाया है और 9.41 की इकॉनमी रेट के साथ 8 विकेट लिए हैं, जिसमें उनकी वाइड यॉर्कर और धीमी गेंदें शामिल हैं। डेथ ओवरों में अच्छी गेंदबाजी करने के अलावा, अगर भारतीय टीम सिराज का चयन नहीं करती है तो आवेश जरूरत पड़ने पर बीच के ओवरों में भी दमदार भूमिका निभा सकते हैं।

यशस्वी जयसवाल

बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज का आईपीएल 2024 में लगातार कम स्कोर रहा, लेकिन उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 59 गेंदों में शतक बनाकर फॉर्म में वापसी की। मिश्रण में शुबमन गिल के साथ मुख्य रूप से विविधता और आक्रामकता के कारण चयनकर्ताओं द्वारा जयसवाल को मंजूरी दी जा सकती है, हालांकि काफी हद तक कोहली-रोहित ओपनिंग कॉम्बिनेशन की मांग उठ रही है।

अक्षर पटेल

विश्व कप टीम के लिए दावेदारी में विशेषज्ञ लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और रवि बिश्नोई हैं, लेकिन अक्षर मुख्य रूप से अपने हरफनमौला कौशल के कारण सबसे आगे हैं। हालांकि उन्होंने गेंद से ज्यादा विकेट नहीं लिए हैं, लेकिन अक्षर कुलदीप के साथ मिलकर काम करते हुए होल्डिंग का काम करने में सक्षम हैं। बल्ले से उनका तीन पर प्रमोशन मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ क्योंकि उन्होंने 66 का आईपीएल का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया और स्पिनरों के खिलाफ खूब बाउंड्री लगाई। इसके अलावा, वह एक बहुत ही उपयोगी क्षेत्ररक्षक भी हैं, जो चहल और बिश्नोई की तुलना में विश्व कप में पहुंचने का उनका दावा मजबूत बनाता है।

मैंने वो हर बल्ला संभाला है जिसने मैंने शतक लगाया: रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के विश्व कप विजेता आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि उन्होंने हर वो बल्ला संभालकर रखा है जिससे उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक जड़ा है और उस पर विरोधी टीम का नाम तथा अपना स्कोर भी उन्होंने लिख रखा है। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच पोंटिंग अपने दौर के बेहतरीन बल्लेबाजों में से थे। उन्होंने युवा क्रिकेटरों को किट देने की 'डीपी वर्ल्ड बियोंड बाउंड्रीज' पहल के मौके पर यह बात कही ।2012 में क्रिकेट को अलविदा कहने वाले पोंटिंग ने 71 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं जिनमें 41 टेस्ट शतक शामिल हैं। पोंटिंग ने कहा कि आप विश्वास करें या नहीं लेकिन मेरे घर पर मेरा पहला बल्ला भी रखा है। इस पर स्टिकर्स लगे हैं। हमारे घर में करीब एक हजार बल्ले हैं। जिस भी बल्ले से मैंने अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा था, वह मेरे पास है। इस पर मैंने अपना स्कोर और विरोधी टीम का नाम भी लिखा है। उनकी यादगार पारियों में भारत के खिलाफ 2003 वनडे विश्व कप फाइनल में जड़े नाबाद 140 रन शामिल है। उस समय भारतीय टीम के कप्तान रहे सौरव गांगुली अब दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक हैं और वह भी इस मौके पर मौजूद थे। गांगुली ने अपने पहले बल्ले के बारे में कहा कि मैं 13 साल का था जब पहला बल्ला खरीदा। गेंद को बल्ले से मारकर हवा में जाते देखकर मैं बहुत खुश होता था। बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स फिलहाल अंक तालिका में छठे स्थान पर चल रही है। उसने 9 में से चार मुकाबले जीते हैं। बीते दिनों दिल्ली ने गुजरात को रोमांचक मुकाबले में हरा दिया था। अब उनके आगामी मुकाबले मुंबई, कोलकाता, राजस्थान, बेंगलुरु और लखनऊ से होने हैं। उन्हें प्लेऑफ में जाने के लिए सभी मुकाबलों में जीतना जरूरी है।

तीन मेडन ओवर, 0 रन और 7 विकेट, डेब्यू मैच में 17 साल की क्रिकेटर ने बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड

इंडोनेशिया (एजेंसी)। इंडोनेशियाई महिला टीम की क्रिकेट गेंदबाज रोहमालिया ने बाली के उदयना क्रिकेट ग्राउंड में 6 मैचों की श्रृंखला के पांचवें टी20आई मैच में मंगोलिया के खिलाफ सबसे उत्कृष्ट गेंदबाजी आंकड़े दर्ज करके ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। 17 वर्षीय रोहमालिया ने अपने प्रदर्शन से क्रिकेट जगत को चौंका दिया क्योंकि उन्होंने 24 अप्रैल को अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण पर 7 विकेट लिए, जो टी20आई क्रिकेट इतिहास में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े थे। उन्होंने अपने 3.2 ओवर के स्पैल में तीन मेडन ओवर फेंके और एक भी रन नहीं दिया।

दाएं हाथ की ऑफ स्पिनर रोहमालिया की मदद से इंडोनेशिया की महिलाओं ने मंगोलिया की महिलाओं को 127 रनों से हरा दिया।किशोर सनसनी ने नीदरलैंड के फ्रेडरिक ओवरडिज्क के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 2021 में ला मंगा क्लब टॉप ग्राउंड में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप यूरोप क्षेत्र क्वालीफायर में एक मैच के दौरान फ्रांस के खिलाफ 4-2-3-7 के आंकड़े के साथ रिकॉर्ड बनाया था। रोहमालिया ने ओवरडिज्क, अर्जेंटीना की महिला एलिसन स्टॉक्स और मलेशिया की सियाजरुल एज़ात इद्रस के बाद टी20आई में सात विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज के रूप में इतिहास की किताबों में अपना नाम दर्ज कराया। रोहमालिया ने टी20आई डेब्यू में सर्वश्रेष्ठ आंकड़ों का एक नया रिकॉर्ड भी बनाया क्योंकि उन्होंने 2019 में मालदीव के खिलाफ नेपाल के लिए अंजलि चंद के 2.1-2-0-6 के स्पैल के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

राहुल द्रविड़ हाफ पैंट और टीशर्ट में वोट डालने के लिए लाइन में लगे

बेंगलुरु (एजेंसी)। दिग्गज क्रिकेटर और फिलहाल भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने आज बेंगलुरु के डॉलर्स कॉलोनी में अपना वोट डाला। वह कैजुअल कपड़े पहनकर पहुंचे थे, जबकि वोट डालने के लिए कतार में खड़े नजर आए। उनकी सादगी ने लोगों का दिल जीत लिया और क्रिकेटर की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। एक एक्स यूजर ने ऐसा ही एक वीडियो शेयर किया है। उसने लिखा- वोटिंग लाइन में द वॉल, उनका कहना है कि उन्होंने राष्ट्रहित और भारत को वैश्विक नेता बनाने के लिए मतदान किया।वीडियो में द्रविड़ नीली टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहने हुए हैं। वह अपनी बारी का इंतज़ार करते हुए हाथों को क्रॉस करके खड़े हैं। कुछ घंटे पहले शेयर किए जाने के बाद से इस वीडियो को करीब लाख बार से अधिक देखा जा चुका है। इस पोस्ट पर कॉमेंट्स काफी रोचक हैं।राहुल द्रविड़ की क्लिप पर एक्स यूजर्स ने इस तरह प्रतिक्रिया दी-एक एक्स यूजर ने पोस्ट किया, %वह सर्वश्रेष्ठ हैं। एक अन्य ने कहा, यही असली धन है। उसके पास अपना स्थान है। तीसरे ने कहा, मैं उन्हें जानता हूं। वह बहुत विनम्र व्यक्ति हैं। चौथे ने टिप्पणी की, सादगी का साकार रूप। एक अन्य ने कॉमेंट किया- वाह, यह कमाल है! ऐसे ऊंचे पद पर बैठे किसी व्यक्ति को वास्तविक और व्यावहारिक रूप से व्यवहार करते देखना बहुत अच्छा लगता है। सादगी वाकई सबसे बढ़िया वाइब्स का एहसास कराती है।

हैदराबाद ने पहली बार एक सीजन में ठोके 100 से ज्यादा छक्के, नजरें विश्व रिकॉर्ड तोड़ने पर

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने आईपीएल 2024 सीजन में धूम मचा रखी है। बेंगलुरु के खिलाफ राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में खेलते हुए हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने जैसे ही पहला छक्का लगाया, हैदराबाद सीजन में 100 छक्के पूरे करने वाली पहली टीम बन गई है। खास बात यह है कि हैदराबाद अब तक किसी सीजन में 100 से ज्यादा छक्के लगा नहीं पाई थी लेकिन इस बार उन्होंने यह जादुई आंकड़ा 8वें मैच में ही हासिल कर लिया। हैदराबाद के बल्लेबाजों ने 2022 सीजन में 97, 2016 सीजन में 89 तो 2018 सीजन में 88 छक्के लगाए थे। अब 8 मैचों में ही वह 108 छक्के लगा चुकी है।

सीजन के अनुसार आईपीएल में एक टीम द्वारा सर्वाधिक छक्के

- 2008- पंजाब किंग्स - 15 मैचों में 95 छक्के
- 2009- डेक्कन चार्जर्स - 16 मैचों में 99 छक्के
- 2010- चेन्नई सुपर किंग्स - 16 मैचों में 97 छक्के
- 2011- रॉयल चैलेंजर्स बेनागलुरु - 16 मैचों में 94 छक्के
- 2012- रॉयल चैलेंजर्स बेनागलुरु - 16 मैचों में 117 छक्के
- 2013- मुंबई इंडियंस - 19 मैचों में 117 छक्के
- 2014- पंजाब किंग्स - 17 मैचों में 127 छक्के
- 2015- मुंबई इंडियंस - 16 मैचों में 120 छक्के
- 2016- रॉयल चैलेंजर्स बेनागलुरु - 16 मैचों में 142 छक्के
- 2017- मुंबई इंडियंस - 17 मैचों में 117 छक्के
- 2018- चेन्नई सुपर किंग्स - 16 मैचों में 145 छक्के
- 2019- कोलकाता नाइट राइडर्स - 14 मैचों में 143 छक्के
- 2020- मुंबई इंडियंस - 16 मैचों में 137 छक्के
- 2021- चेन्नई सुपर किंग्स - 16 मैचों में 115 छक्के
- 2022- राजस्थान रॉयल्स - 17 मैचों में 137 छक्के
- 2023- मुंबई इंडियंस - 16 मैचों में 140 छक्के
- 2024*- सनराइजर्स हैदराबाद - 8 मैचों में 108 छक्के

दिल्ली में फिर बरसेंगे रन या गेंदबाजों के लिए कुछ होगा

अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई और दिल्ली कैपिटल्स में मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऋषभ पंत के शानदार फॉर्म और बेहतरीन कप्तानी से आत्मविश्वास से ओतप्रोत दिल्ली कैपिटल्स शनिवार को आईपीएल 2024 फॉर्म से जूझ रही मुंबई इंडियंस से खेलेगी। दिल्ली कैपिटल्स ने टूर्नामेंट में टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए कई मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज की तो कई में शर्मनाक हार भी झेली। पिछले चार मैचों में से तीन जीतकर वह अंकतालिका में छठे स्थान पर है। मुंबई का हाल भी कुछ ऐसा ही है। टीम को 8 मैच में 3 जीत मिली है। यह मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम पर होगा।

ऐसी होगी दिल्ली की पिच?

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम पर इस सीजन दो मैच हुए हैं। दोनों ही मैचों में रनों की बरसात देखने को मिली है। एक बार फिर इस मैदान पर गेंदबाजों का बुरा हाल होना तय दिख रहा है। डे मैच होने की वजह से टॉस जीतने वाली टीम बैटिंग से सकती है क्योंकि दिल्ली की गर्मी में फील्डिंग करना आसान नहीं होगा। पहले बैटिंग करते हुए टीम को जीत हासिल करना है तो इस मैदान पर 220 से ज्यादा का स्कोर बनाना ही होगा।

दिल्ली के मौसम का हाल

दिल्ली में भयंकर गर्मी पड़ रही है। मैच के दिन अधिकतम तापमान 39 डिग्री तक जाने की उम्मीद है। मैच शुरू होने के समय दोपहर में साढ़े 3 बजे तापमान 3-38 के आसपास रहने की उम्मीद है। मैच खत्म होने के समय भी यह 33 डिग्री के आसपास रहेगा। पहले फील्डिंग करने वाली टीम को चिलचिलाती धूप में मैदान पर आना पड़ेगा। विदेशी खिलाड़ियों को ज्यादा परेशानी हो सकती है।

इस प्रकार हैं दोनों टीमें

दिल्ली कैपिटल्स-ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड वार्नर, पृथ्वी साव, यश ढुल, अभिषेक पोरेल, अक्षर पटेल, ललित यादव, मिशेल मार्श, प्रवीण दुबे, विक्की ओस्टवाल, एनरिक नोर्किया, कुलदीप यादव, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, खलील अहमद, इशांत शर्मा, मुकेश कुमार, ट्रिस्टन स्टब्स, रिकी भुई, कुमार कुशाग्र, रसिख डार, झाय रिचर्डसन, सुमित कुमार, स्वास्तिक चिकारा, शाई होप।

मुंबई इंडियंस-हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, जेराल्ड कोएत्ज़ी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, ईशान किशन (विकेटकीपर), अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, ल्यूक वुड। मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3:30 पर शुरू होगा।

न्यूजीलैंड की 'सी' टीम से हारी पाकिस्तान, टी20 सीरीज में 2-1 से पिछड़ी

लाहौर (एजेंसी)। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान के लिए वीरवार की शाम बेहद खराब गुजरी। न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 टी20 मैचों की सीरीज खेल रही पाकिस्तान टीम 2-1 से पिछड़ गई है। सीरीज के चौथे मुकाबले में पहले खेलते हुए न्यूजीलैंड ने 7 विकेट पर 178 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी पाकिस्तान की टीम 174 रन ही बना सकी। पाक के लिए इमाद वसीम जब क्रीज पर थे तो आखिरी दो गेंदों पर पाकिस्तान को जीत के लिए 10 रन की जरूरत थी। वसीम ने 5वीं गेंद पर चौका लगा दिया लेकिन आखिरी गेंद पर एक ही रन बना पाए। इस तरह पाकिस्तान को 4 रन से हार झेलनी पड़ी। टी 20 सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण धुल गया था।

बहरहाल, मैच गंवाने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि न्यूजीलैंड ने अच्छी शुरुआत की लेकिन हमारे गेंदबाजों ने अच्छी वापसी की, हम एक लेंथ पर टिके रहे। बल्लेबाजी करते हुए पहले छह ओवरों में हमने काफी विकेट गंवाए, फखर की पारी लाजवाब थी, दुर्भाग्य से हम लक्ष्य का पीछा नहीं कर सके। इमाद ने भी अच्छी पारी खेली। यह एक

अलग सतह थी, यहां औसत स्कोर 190 है और हमने उन्हें रोकने में अच्छा प्रदर्शन किया। चोटों के कारण टीम प्रभावित हुई है लेकिन हमारे लिए युवाओं ने अच्छा प्रदर्शन किया है। हमारी योजना अपनी बेंच स्ट्रेंथ का परीक्षण करने की थी और हमने विभिन्न संयोजनों को आजमाया। हम हर खेल में कुछ नया और अलग प्रयास कर रहे हैं। उम्मीद है कि हम टी20 वर्ल्ड कप में जाने से पहले सेटल हो जाएंगे।

वहीं, न्यूजीलैंड के कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने कहा कि जब आप युवाओं के बारे में सीखते हैं तो टीम दबाव में होती है। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने डेथ ओवरों में विशेष रूप से अच्छी गेंदबाजी की और हमें बराबरी के स्कोर पर रोक दिया। जिस तरह से टिम और ब्लंडेल ने शुरुआत की, उन्होंने हमें शीर्ष पर पहुंचा दिया। हम 200 से पार जाने का सोच रहे थे लेकिन हमें रोकने के लिए पाकिस्तानी गेंदबाजों को श्रेय दिया जाता है। यह हमारे लिए बहुत बड़ी सकारात्मक बात है कि हम नए लोगों को अनुभव दे पा रहे हैं। हमें बैकएंड में गेंदबाजी करते हुए जेम्स नीशम के रूप में एक शानदार ऑलराउंडर मिला। विलियम ओ%रूर्के ने विशेष रूप से शानदार खेल दिखाया और डेथ ओवरों में हमारी गेंदबाजी अच्छी थी।

प्लेयर ऑफ द मैच बने विलियम ओरूर्के ने कहा कि मैंने उन्हें धीमी गेंदें फेंकते देखा और हमने भी धीमी गेंदें फेंकने पर ध्यान केंद्रित किया। नई गेंद अच्छी तरह से स्किड हो रही थी, हमने अच्छी शुरुआत की, गेंद की गति बढ़ने से बल्लेबाजों को संघर्ष करना पड़ा। हम एक साथ आते हैं और बात करते हैं कि क्या हुआ, हम हर मैच से सीखते हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

न्यूजीलैंड - टिम रॉबिन्सन, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मार्क चैपमैन, जेम्स नीशम, माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), जोश क्लार्कसन, ईश सोढ़ी, जैकब डफी, बेन सियर्स, विलियम ओ%रूर्के

पाकिस्तान - सईम अयूब, बाबर आजम (कप्तान), फखर जमान, उस्मान खान (विकेटकीपर), इफ्तिखार अहमद, शादाब खान, इमाद वसीम, उसामा मीर, अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, जमान खान

मिर्च लगाएं बगिया में बहार लायें

क्यारियों की तैयारी एवं उपचार

पौधशाला की मिट्टी की एक बार गहरी जुताई करें या फिर फावड़े-गैती की मदद से खुदाई करें.खुदाई करने के पश्चात् ढेले फोड़कर गुड़ाई करके मिट्टी को भुरभुरी बना लें तथा उगे हुए सभी खरपतवार निकाल दें. फिर उचित आकार की क्यारियां बनायें. इन क्यारियों में प्रति वर्ग मीटर की दर से 2 कि.ग्रा. गोबर या कम्पोस्ट की सड़ी खाद या फिर 500 ग्राम केंचुए की खाद मिट्टी में अच्छी तरह मिलायें. यदि मिट्टी हल्की भारी हो तो प्रति वर्ग मीटर के लिये 2.5 कि.ग्रा. रेत अवश्य मिलायें.

क्यारी मिट्टी का उपचार

भूमि में विभिन्न प्रकार के कीड़े एवं रोगों के फफूंद, जीवाणु आदि पहले से रहते हैं जो उपयुक्त वातावरण पाकर क्रियाशील हो जाते हैं व आगे चलकर फसल को विभिन्न अवस्थाओं में हानि पहुंचाते हैं. अत: नर्सरी की मिट्टी का उपचार करना आवश्यक है.

सूर्यताप से उपचार

इस विधि में पौधशाला में क्यारी बनाकर उसकी जुताई-गुड़ाई करके हल्की सिंचाई कर दी जाती है जिससे मिट्टी गीली हो जाये. अब इस मिट्टी को पारदर्शी 200-300 गेज मोटाई की पालीथिन की चादर से ढंककर किनारों को मिट्टी या ईंट से दवा दें ताकि पालीथिन के अंदर बाहरी हवा और अंदर की वाष्प बाहर न निकल सके. ऐसा उपचार लगभग 4-5 सप्ताह तक करें. यह कार्य 15 अप्रैल से 15 जून तक किया जा सकता है. क्योंकि इस समय तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहता है.उपचार उपरांत पालीथिन शीट हटाकर भूमि की तैयारी कर बीज बोयें. सूर्यताप उपचार से भूमि जनित रोग कारक जैसे फफूंदी, निमेटोड (सूत्रकृमि), कीट खरपतवार आदि की संख्या में भारी कमी हो जाती है. कभी-कभी क्यारी की भूमि को व्यावसायिक फार्मेल्डिहाइड 40 प्रतिशत से, 250 मि.ली. 10 लीटर पानी में बने घोल से प्रत्येक क्यारी को गीला कर देते हैं और क्यारी को पहले की ही तरह पालीथिन शीट से ढंक देते हैं. 5-6 दिन बाद शीट हटाकर गुड़ाई करके 1-2 दिन के लिये खुला छोड़ देते हैं. तदुपरांत क्यारी तैयार कर बीज बोते हैं.

रसायनों द्वारा भूमि उपचार

बीज बोवाई के 4-5 दिन पहले क्यारी को फोरेट 10 जी एक ग्राम अथवा क्लोरोपायरीफास 5 मि.ली. प्रति ली. पानी के हिसाब से अथवा कार्बोफ्यूरान 5 ग्राम प्रति वर्गमीटर के हिसाब से भूमि में मिलाकर उपचार करते हैं. कभी-कभी फफूंदनाशक दवा कैप्टान 2 ग्राम/वर्ग मीटर के हिसाब से मिलाकर भी भूमि उपचार किया जाता है.

जैविक विधि

क्यारी की भूमि का जैविक विधि से उपचार करने के लिये ट्राइकोडर्मा विरडी की 8-10 ग्राम मात्रा को 10 किलो गोबर खाद में मिलाकर क्यारी में बिखेर देते हैं तत्पश्चात् सिंचाई कर देते हैं. जब भूमि का जैविक विधि से उपचार करें तब अन्य किसी रसायन का प्रयोग न करें.

पौधशाला (नर्सरी) क्या है?-पौधशाला या रोपणी अथवा नर्सरी एक ऐसा स्थान हैं जहां पर बीज अथवा पौधे के अन्य भागों से नये पौधों को तैयार करने के लिये उचित प्रबंध किया जाता है. पौधशाला का क्षेत्र सीमित होने के कारण देखभाल करना आसान एवं सस्ता होता है.

पौधशाला के लिये स्थान का चुनाव

- पौधशाला के समीप बहुत बड़ा वृक्ष न हो.
- भूमि उपजाऊ, दोमट, खरपतवार रहित तथा अच्छे जल निकास वाली हो, अम्लीय/क्षारीय भूमि का चयन न करें.
- लंबे समय तक धूप रहती हो.
- पौधशाला के पास सिंचाई जल की सुविधा उपलब्ध हो.
- चयनित क्षेत्र अपेक्षाकृत ऊंचा हो ताकि पानी न ठहरे.
- एक फसल के पौध उगाने के बाद दूसरी बार पौध उगाने का स्थान बदल दें. यानी फसल चक्र अपनायें.

रोपणी का आकार

आदर्श नर्सरी या रोपणी के लिये कुल क्षेत्र की सीमा निश्चित तौर पर निर्धारित नहीं की जा सकती है. जितनी फसलों के लिये और जितने क्षेत्र की आवश्यकता के लिये पौध तैयार करना होती है उसके ऊपर पौधशाला का आकार/क्षेत्र निर्भर होता है.

पौधशाला में क्यारियों का आकार

सामान्यतया पौधशाला में क्यारियों का आकार लंबाई में 3 से 5 मी., चौड़ाई में 1.0 से 1.2 मीटर और ऊंचाई में भूमि से 15-20 से.मी. ऊंचा रखा जाता है.प्रत्येक दो क्यारियों के बीच में लंबाई एवं चौड़ाई में दोनों तरफ 50 से.मी. का स्थान आवागमन की सुविधा के लिये छोड़ा जाता है. एक फसल के एक हेक्टर क्षेत्र में आवश्यक पौध की संख्या का निर्धारण, पौध रोपाई का कतार से कतार एवं पौध से पौध का अंतर एवं एक स्थान पर रोपे जाने वाले पौधों की संख्या के ऊपर निर्भर होता है. सामान्यत: मिर्च के लिये रोपण अंतर 45345 से.मी.रखने पर 4 3 1 3 0.2 मी. आकार की 25-27 (100 से 108 वर्ग मी.) क्यारियों की आवश्यकता पड़ती है. उन्नत किस्मों के 1.2 कि.ग्रा. बीज और संकर किस्मों के लिये 400 से 500 ग्राम बीज प्रति हेक्टर की आवश्यकता होती है.

बीज खरीदने में सावधानियां

- बीज अनुशंसित किस्म का शुद्ध एवं साफ हो. द्य अंकुरण क्षमता 80-85 प्रतिशत हो.
- बीज किसी प्रमाणित संस्था, शासकीय बीज विक्रय केंद्र, अनुसंधान केंद्र अथवा विश्वसनीय विक्रेता से ही लेना चाहिए. बीज प्रमाणिकता का टैग लगा पैकेट खरीदें.
- बीज खरीदते समय पैकेट पर अंकित किस्म, उत्पादन वर्ष, अंकुरण प्रतिशत, बीज उपचारण आदि अवश्य देख लें. ताकि पुराने बीज से बचा जा सके.
- बीज बोते समय ही पैकेट खोलें.

खरपतवार नियंत्रण

क्यारियों में उपचार के बाद भी यदि खरपतवार उगते हैं तो उन्हें हाथ से निकालते रहना चाहिए इसके लिये पतली लंबी डंडियों की भी मदद ली जा सकती है. अच्छा होगा यदि पेन्डीमिथालीन (स्टाम्प 34) की 3 मि.ली. मात्रा प्रति ली. पानी में घोलकर बीज बुवाई के 48 घंटे की भीतर क्यारियों में छिड़क दें, उससे खरपतवार की समस्या का निदान हो जायेगा.

बीज उपचार

रोपणी में बीज को सदैव उपचारित करके ही बोना चाहिये ताकि बीज जनित फफूंद से फैलने वाले रोगों को नियंत्रित किया सके. बीज उपचार के लिये 1.5 ग्राम थाइरम+1.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम (बाविस्टीन) अथवा 2.5 ग्राम डाइथेन एम-45 या 4 ग्राम ट्राइकोडर्मा विरडी का प्रति किलो बीज के हिसाब से प्रयोग करना चाहिए. यदि क्यारी की भूमि का उपचार जैविक विधि से (ट्राइकोडर्मा) से किया गया है तो बीजोपचार भी ट्राइकोडर्मा विरडी से करें.

बीज बोने की विधि

क्यारियों में सर्वप्रथम उसकी चौड़ाई के समानान्तर 7-10 से.मी. की दूरी पर 1 से.मी. गहरी पंक्तियां बना लें तथा इन्हीं पंक्तियों पर बीज लगभग 1 से.मी. के अंतर से बोते हैं. बीज बोने के पश्चात कम्पोस्ट, मिट्टी व रेत के 1:1:1 के 5-6 ग्राम थाइरम या केप्टान से उपचारित मिश्रण से 0.5 से.मी. की ऊंचाई तक ढंक देते हैं.

क्यारियों को पलवार से ढंकना

बीज बोने के बाद स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पुआल, सरकन्डा गन्ने के सूखे पत्ते या ज्वार-मक्का के बने टटिये से ढंक देते हैं. ताकि मिट्टी में नमी बनी रहे और सिंचाई करने पर पानी सीधे ढंके हुए बीजों पर न पड़े अन्यथा मिश्रण बीज से हट जायेगा और बीज का अंकुरण प्रभावित होगा.

सिंचाई

क्यारियों में बीज बोने के बाद 5-6 दिनों तक हजारे/झारे से हल्की सिंचाई करें ताकि बीज ज्यादा पानी पाकर बैठ न जाये. वर्षाऋतु में क्यारी की नालियों में उपस्थित अधिक पानी को पौधशाला से बाहर निकालना चाहिए. क्यारियों से पलवार/घास-फूस तब हटायें जब लगभग 50 प्रतिशत बीजों का अंकुरण हो चुका हो. बीज बुवाई के बाद यह अवस्था मिर्च में 7-8 दिन बाद, टमाटर में 6-7 दिन बाद व बैंगन में 5-6 दिन बाद आती है.

जरूरी है मिट्टी की नब्ज टटोलना

नमूना लेने का तरीका

- पूरे खेत को आकार एवं समरूपता के आधार पर 1 से 2.5 एकड़ के खण्ड में बांट लेते हैं।
- प्रत्येक खण्ड को एक नम्बर या नाम देते हैं।
- प्रत्येक खण्ड से मिट्टी का एक नमूना तैयार किया जाता है।
- एक नमूना तैयार करने के लिये उस खंड में (जिसका नमूना तैयार करना है।) 10 से 20 स्थानों से आधा-आधा किलो मिट्टी इकट्ठी करते हैं।
- प्रत्येक स्थान से मिट्टी लेते समय मिट्टी की ऊपरी परत से कचरा एवं डंठल साफ कर देना चाहिए।
- साफ करने के बाद प्रत्येक स्थानर पर व्ही के आकार का 15-20 सेमी गहरा गड्ढा करते है।
- हर स्थान से गडढे के किसी भी किनारे से गहराई में ऊपर से नीचे तक की एक इंच मोटी मिट्टी की तह को प्लास्टिक की बाल्टी या कपड़े में इकट्ठा करते है।
- एकत्र मिट्टी का एक ढेर बनाकर (+) धन का निशान बनाते हुये ढेर को चार बराबर भागों में बांटते हैं।
- आमने-सामने के दो भागों की मिट्टी को हटाकर शेष दो भागों की मिट्टी का ढेर बनाते है।
- इसके बाद पुन: क्र. 8 से 9 की क्रिया दोहराते हैं।
- जब आधा किलो का ढेर शेष रह जाये वही उस खण्ड का मिट्टी का नमूना होगा।
- इस नमूने को कपड़े की थैली में भरकर एक नमूना पत्रक (जिसमें कृषक का नाम, पता, खेत का नाम या नम्बर, बोई जाने वाली फसल, नमूने लेने का दिनांक, खेत का क्षेत्रफल आदि लिखा हो) थैली के अंदर डालते हैं।
- यह नमूना परीक्षण कराने हेतु ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के माध्यम से अथवा स्वयं मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में पहुंचाना चाहिये।

मिट्टी परीक्षण के लाभ

- मिट्टी परीक्षण से उपलब्ध पोषक तत्वों की मात्रा का पता चलती है तथा जरूरत के मुताबिक संतुलित उर्वरक देना आसान हो जाता है.
- उर्वरकों के संतुलित उपयोग से उपज अधिक तथा लागत में कमी एवं शुद्ध लाभ में वृद्धि होती है।

- खेत की उपजाऊ शक्ति लम्बे समय तक बनी रहती है। मिट्टी परीक्षण जैविक खेती का आधार मुख्य है।

खेत की मिट्टी का परीक्षण कैसे करायें।

- मिट्टी का परीक्षण कराने के लिये खेत से मिट्टी का नमूना लेकर उसे पास की मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में भेजा जाता है। खेत से मिट्टी का नमूना लेना बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है।

गहरी जुताई करने से पौधों की जड़ें पर्याप्त गहराई तक भूमि में जाती है, जिससे सूखे की स्थिति में पौधे की जड़े निचली सतहों से नमी का भरपूर उपयोग करती है. गर्मी के मौसम में हल्की मिट्टियों मे कम जुताई करके भी सिंचाई करके उसकी बोआई की जा सकती है.

गर्मी में उड़द उगायें लाभ कमायें

मौसम संबंधी अनुकूलता

उड़द के अधिक उत्पादन के लिए जनन अवस्था में खूब चमकीली धूप चाहिए क्योंकि चमकीली धूप से फली निर्माण अधिक होता है और उपज अच्छी होती है.

खेत की तैयारी

उड़द को जिस खेत में बोना है, उसमें पहले उपयुक्त हल से जुताई करें, फिर हैरो चलावें और पाटा लगाकर खेत को समतल करें. गहरी जुताई करने से पौधों की जड़ें पर्याप्त गहराई तक भूमि में जाती है, जिससे सूखे की स्थिति में पौधे की जड़े निचली सतहों से नमी का भरपूर उपयोग करती है. गर्मी के मौसम में हल्की मिट्टियों मे कम जुताई करके भी सिंचाई करके उसकी बोआई की जा सकती है. इससे समय धन और श्रम की पर्याप्त बचत हो जाती है और अच्छी उपज मिल जाती है.

बुआई का समय

गर्मी के मौसम में उड़द की फसल को मार्च के आखिरी दिनों या 10 अप्रैल तक बोना उपयुक्त समझा जाता है. इस अवधि में बोई गई फसल से अधिकतम उपज मिलने के प्रमाण मिले हैं. इस मौसम में बुआई में देरी करने से यदि बरसात जल्दी हो जाती है तो उड़द की फलियाँ सड़ जाती हैं और उपज घट जाती है.

पादप सघनता और बीज दर

उड़द की अधिक उपज प्राप्त करने के लिए उचित पादप संख्या आवश्यक है. गर्मी के मौसम में उगाई गई उड़द की फसल में पौध संख्या खरीफ की तुलना में अधिक होती है क्योंकि खरीफ के मौसम में पादप वृद्धि अधिक होती है जबकि गर्मी के मौसम में उड़द की पादप वृद्धि अपेक्षाकृत कम होती है.ग्रीष्मकाल में उड़द के लिये 20 किलोग्राम प्रति हेक्टर बीज पर्याप्त होता है. कतारों में 30 से.मी. अंतर और पौधे से पौधे की दूरी 7 से.मी. रखें. बीज की गहराई 4 से.मी. रखें.

उन्नत किस्म का चुनाव

विभिन्न राज्यों के लिये अनुमोदित की गई जायद मौसम (गर्मियों में) बोई जाने वाली उड़द की उन्नत जातियाँ

आहार पोषण

43 किलो यूरिया, 250 किलो सिंगल सुपर फास्फेट तथा 66 किलो पोटाश/हे. दिया जाये. उड़द की ग्रंथिकायुक्त जड़ों में यौगिकीकरण की प्रक्रिया अच्छी तरह होती है जिससे उसकी नाइट्रोजन आवश्यकता लगभग पूरी हो जाती है. अधिकांश क्षेत्रों में जहां उड़द की खेती की जाती है, वहाँ मिट्टी से संबंधित जीवाणुओं की पर्याप्त संख्या होती है जिससे इन क्षेत्रों में बीज निवेशन की आवश्यकता नहीं पड़ती है. नयी तोड़ी गई भूमि में ऐसे क्षेत्रों में जहां इसकी खेती पिछले कई वर्षो में नहीं गई है बीज निवेशन अवश्य करना चाहिए.

निंदाई-गुड़ाई

खरपतवार फसलों को अपेक्षाकृत अनुमान से कहीं अधिक क्षति पहुंचाते हैं अत: विपुल उत्पादन के लिये अपनाये महंगे कृषि प्रसाधन, खरपतवारों की वजह से व्यर्थ न जाने पायें, इसके लिये समय-समय पर निंदाई-गुड़ाई कोल्पा या डोरा चलाकर करें. (बुआई के 30 दिन बाद) खरपतवार नियंत्रण से दाने की उपज पर्याप्त बढ़ जाती है.

सिंचाई

बसंतकालीन और ग्रीष्मकालीन उड़द की फसल पूरी तरह सिंचाई पर निर्भर करती है. बसंत ऋतु में 10 से 15 दिन के अंतर पर फसल की सिंचाई करना आवश्यक होता है. पहली सिंचाई बुआई के 20 दिन बाद करनी चाहिए. इस मौसम में उड़द में मूंग की अपेक्षा अधिक जल्दी सिंचाई करनी पड़ती है. पैदावार : जायद में बोई गई उड़द की शुद्ध बीज वाली फसल की पैदावार 12 से 15 क्विंटल प्रति हे. तक हो सकती है.

तू 37 की बरस का, मैं 44 बरस की..तलाक के बाद 7 साल छोटे अमोल पाराशर के लिए धड़का कोंकणा सेन शर्मा का दिल!

ना उम्र की सीमा हो, ना जन्म का बंधन गजल गायक स्वर्गीय जगजीत सिंह का यह गीत आज भी आप सभी के जुबां पर होगा। स्वर्गीय जगजीत सिंह के गाने के ये बोल इंडस्ट्री के कई स्टार्स ने अपने जीवन में उतार लिया है। प्यार के आगे उनके लिए उम्र महज एक नम्बर बनकर ही रह गया है। इंडस्ट्री में ऐसे कई स्टार्स हैं जो अपने से बड़े शख्स को डेट कर रहे हैं। अब इस लिस्ट में बॉलीवुड की सबसे टैलेंटेड एक्ट्रेसेस में से एक हसीना का नाम शामिल हो गया। तलाकशुदा इस एक्ट्रेस को अपने से 7 साल छोटे एक्टर को दिल दे बैठी हैं। ये हसीना और कोई नहीं बल्कि कोंकणा सेन शर्मा हैं। जी हां, बीते कई समय से चर्चा थी कि कोंकणासेन शर्मा, अमोल पाराशर को डेट कर रही हैं? अब इन चर्चाओं को एक्टर के पूर्व पति और एक्टर रणवीर शौरी ने भी इनडायरेक्टली कन्फर्म कर दिया है। रणवीर शौरी ने एक ऐसा ट्वीट किया है, जिससे इशारा मिल रहा है कि कोंकणा सेन और अमोल पाराशर के बीच कुछ चल रहा है। हाल ही एकपर एक पैरोडी अकाउंट से एक ट्वीट किया गया। राजनेताओं और अन्य हस्तियों पर कटाक्ष करने के लिए मशहूर इस अकाउंट पर लिखा गया कि कोंकणा सेन शर्मा ने मोदी भक्त रणवीर शौरी को छोड़कर सेक्युलर अमोल पाराशर को डेट करने का सबसे अच्छा फैसला लिया।इस ट्वीट को रणवीर शोरी ने रीट्वीट करते हुए लिखा, मैं इससे सहमत हूं। अब एक्टर के इस कमेंट से हलचल मच गई। फैंस को लगने लगा है कि कोंकणा वाकई एक्टर अमोल पाराशर को डेट कर रही हैं। इस ट्वीट से सोशल मीडिया पर सनसनी मच गई है।

अपने करियर में मैं अनदेखी 3 जैसा प्रोजेक्ट करना चाहती थी: हेली दारूवाला

एक्ट्रेस हेली दारूवाला, जो अपनी अगली सीरीज अनदेखी 3 की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं, ने कहानी को रोमांचकारी बताया है। शो में हेली महत्वपूर्ण किरदार निभा रही हैं, हालांकि उन्होंने भूमिका के बारे में जानकारी को गुप्त रखा है। जिस चीज ने उन्हें इस भूमिका की ओर आकर्षित किया वह थी शो की स्क्रिप्ट और कहानी। हेली ने कहा, अनदेखी एक बेहद लोकप्रिय शो है और मुझे सीजन 3 का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है। टीम ने कहानी को रोमांचकारी बनाए रखने का शानदार काम किया है और यह उस तरह का प्रोजेक्ट है जिसकी मैं तलाश कर रही थी। एक्ट्रेस ने आगे कहा, जिस तरह से मेरे ट्रैक ने आकार लिया है, उससे मैं बेहद खुश हूं और मैं 10 मई को दर्शकों द्वारा इसे देखने का इंतजार नहीं कर सकती। अनदेखी 3 10 मई को सोनी लिव पर रिलीज होगी।

जैकलीन ने पालतू जानवरों को खरीदने के बजाय गोद लेने का किया आग्रह

एक्ट्रेस व एनिमल लवर जैकलीन फर्नांडीज ने पालतू जानवरों को खरीदने के बजाय इन्हें गोद लेने का आग्रह किया। जैकलीन ने इंस्टाग्राम पर अपने स्टोरी सेक्शन पर एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में दो पोमेरेनियन, एक हस्की और एक पूडल सहित कई कुत्तों को बीमार अवस्था में देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ने वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन दिया- खरीददारी न करने और गोद लेने का एक और कारण.. ब्रीडिंग इंडस्ट्री क्रूर और अक्सर अवैध है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, जैकलीन पिछली बार रोहित शेट्टी की सर्कस में नजर आई थी। वह जल्द ही सोनू सूद स्टारर फतेह में दिखाई देंगी। फिल्म में विजय राज भी हैं। इनके अलावा, एक्ट्रेस वेलकम फ्रेंचाइज के तीसरी पार्ट वेलकम टू द जंगल में भी नजर आएंगी, जो कथित तौर पर क्रिसमस पर रिलीज होगी।

गीतांजलि मिश्रा ने दिखाया अपना समर कलेक्शन

टीवी शो हप्पू की उलटन पलटन की गीतांजलि मिश्रा ने गर्मियों के लिए अपने कपड़ों के कलेक्शन के बारे में बात की। मुंबई में काफी गर्मी पड़ती है। ऐसे में, एक्टर्स को अपने हेल्थ के साथ-साथ फैशन का भी ध्यान रखना जरूरी होता है। इस कड़ी में गीतांजलि ने सीजन को देखते हुए अपनी अलमारी में कपड़ों को सेट कर लिया है। गर्मियों के लिए कपड़ों के कलेक्शन के बारे में बात करते हुए, एक्ट्रेस ने कहा, मैं समर फैशन में कंफर्ट को ज्यादा महत्व देती है। मैं लूज पैंट और आरामदायक कॉटन शर्ट चुनती हूं। उन्होंने आगे कहा,इसके अलावा, मैं स्लीपर पहनना पसंद करती हूं, जिसके साथ आप हमेशा दिन या रात में एडवेंचर के लिए तैयार रहते हैं। समर फैशन में सिर्फ कपड़े ही नहीं, एक्सेसरीज भी मायने रखते हैं। उन्होंने कहा- डार्क शेड्स के सनग्लासेस और गॉगल्स तेज धूप में आपको कूल रखता है। इसके अलावा परफ्यूम भी आपको दुर्गंध से दूर रखता है और फ्रेगरेंस आपको रिफ्रेश रखती है। लेगिंग दिन के माहौल से लेकर रात के समय में भी आरामदायक है, जो कंफर्ट और स्टाइल दोनों प्रदान करती है।हप्पू की उलटन पलटन का प्रसारण एंड टीवी पर होता है।

हीरामंडी प्रीमियर में शामिल हुईं अंकिता लोखंडे संजय लीला भंसाली के निर्देशन की प्रशंसा की

एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे हाल ही में अपने पति विक्की जैन के साथ संजय लीला भंसाली निर्देशित हीरामंडी के प्रीमियर में शामिल हुईं। एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर संजय लीला भंसाली के साथ एक तस्वीर साझा की और लिखा कि कैसे वह फ़िल्ममेकर के ग्रैंड विजन से पूरी तरह से पूरी तरह आश्चर्यचकित थीं। पोस्ट के कैप्शन के रूप में उन्होंने लिखा द वे ही प्रेजेंट्स वूमन इन हिज फ़िल्म इज ए मास्टरक्लास टू एव्री फ़िल्ममेकर आउट देर ऑन हाऊ टू यूज एक्ट्रेसेस स्ट्रेंथ एस एन एडिशन टू द नैरेटिव. आई पर्सनली एम ए बिग फैन ऑफ संजय सर वर्क एंड टू विटनेस हिज मैजेस्टिक मास्टरपीस, दैट मोमेंट वॉज टोटली वर्थ इट. एव्री फ्रेम इज ग्रैंड, एव्री करैक्टर लिव्स एन इम्प्रैशन. एव्री एक्ट्रेस इज ड्रीम-लाइक!

जब ट्रोलर्स कहते हैं- अरे बूढ़ी हो गई..अरे मोटी हो गई, तो ऐसे निपटती हैं लारा दत्ता

लारा दत्ता ने कहा कि उनकी सोशल मीडिया पर उतनी ही मौजूदगी है, जितना वह चाहती हैं। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें फॉलोअर्स जैसी और भी दूसरी चीजें चाहिए तो उसके साथ आने वाली हर एक चीज के लिए भी तैयार रहना पड़ेगा। सोशल मीडिया पर आए दिन किसी न किसी कलाकार को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। कौन-सा कलाकार कब ट्रोल हो जाए, कुछ नहीं कहा जा सकता। ट्रोल होने वाले कई कलाकार पलटकर तगड़ा जवाब दे देते हैं तो कई चुप रहने में ही भलाई समझते हैं। हाल ही में, अभिनेत्री लारा दत्ता ने ट्रोलिंग के इस मसले पर बातचीत की है।

ट्रोल की बातों से मेरी जिंदगी पर कोई असर नहीं पड़ता

ट्रोलिंग से निपटने के सवाल पर लारा दत्ता ने कहा कि इस बात में कोई शक नहीं है कि लोगों को अपनी राय रखने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि कई लोग कहते हैं कि अरे बूढ़ी हो गई है..अरे मोटी हो गई। लेकिन क्या इन बातों से मेरे जिंदगी पर कोई असर पड़ेगा? नहीं पड़ेगा। मुझे पता है कि ट्रोल करने वाले हैंडल के पीछे कुछ गुमनाम लोग होते हैं। मैं नहीं जानती कि ऐसा करने वाले लोग अपनी जिंदगी में क्या कर रहे हैं। इसलिए, मैं किसी और के बारे में अपनी कोई राय नहीं रख सकती।

ज्यादा फॉलोअर्स के लिए दूसरी चीजों के लिए तैयार रहना होगा

लारा दत्ता ने कहा कि उनकी सोशल मीडिया पर उतनी ही मौजूदगी है, जितना वह चाहती हैं। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें फॉलोअर्स जैसी और भी दूसरी चीजें चाहिए तो उसके साथ आने वाली हर एक चीज के लिए भी तैयार रहना पड़ेगा। वह अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी चीजों को केवल उन्हीं लोगों के साथ साझा करना चाहती हैं, जो उनके सच्चे फॉलोअर्स है।

मुझे लड़कियां पसंद हैं... अब जाकर हुआ एहसास

महज 22 साल की उम्र में दुनियाभर में अपनी सिंगिंग से धूम मचाने वाली बिली एलीश ने पहली बार अपनी यौन इच्छाओं और पसंद-नापसंद पर चुप्पी तोड़ी है। सिंगर ने एक इंटरव्यू में कहा है कि उन्हें लड़के नहीं,बल्कि लड़कियां पसंद है। बिली एलीश का कहना है कि उन्हें पिछले साल इसका एहसास हुआ है।

अमेरिकी सिंगर बिली एलीश के नाम से आप जरूर वाकिफ होंगे। महज 22 साल की बिली, दो-दो ऑस्कर अवॉर्ड जीत चुकी हैं। वह नौ ग्रैमी अवॉर्ड जीत चुकी हैं। उनके नाम दो गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स भी है।

इस महीने की शुरुआत में बिली एलीश ने कोचेला म्यूजिक वैली फेस्टिवल में अपनी दमदार परफॉर्मेंस से सबको दीवाना बना दिया। लेकिन इस दौरान कुछ ऐसा भी हुआ, जिसे देख सब चौंक गए। बिली एलीश ने स्टेज पर यूट्यूबर क्वेनलिन ब्लैकवेल को सरेआम चूम लिया। इसके बाद से ही बिली की सेक्सुएलिटी फैंस के बीच चर्चा का विषय है। बहरहाल, अब सिंगर ने खुद ही यह साफ कर दिया है कि उन्हें लड़के नहीं, बल्कि लड़कियां पसंद हैं।

बिली एलीश ने सेक्सुएलिटी पर कही दो टूक बात

जाहिर तौर पर बिली एलीश का यह गाना महिलाओं के साथ प्यार करने की बात करता है।

अब नए इंटव्यू में इस पर बात करते हुए वह कहती हैं, यह गाना असल में उस एक चीज का हिस्सा था, जिसने मुझे वह बनाया, जो मैं वाकई हूं। मैंने इसके कुछ बोल हालांकि, तब लिखे थे, जब मैं किसी लड़की के साथ रिश्ते में नहीं थी। मैं जीवनभर लड़कियों से ही प्यार करती रही हूं, लेकिन मैं इसे समझ नहीं पाई। पिछले साल मुझे यह एहसास हुआ कि मैं कौन हूं।

बीते साल मैगजीन की रिपोर्ट पर भड़कीं थी बिली एलीश

वैसे, बिली एलीश का यह नया बयान तब आया है, जब पिछले साल उन्होंने सेक्सुएलिटी को लेकर नवंबर 2023 में वेरायटी मैगजीन की रिपोर्ट की जमकर आलोचना की थी। तब उन्होंने कहा था, मैं कभी भी अपनी सेक्सुएलिटी के बारे में बात नहीं करने वाली, ना ही ऐसा कुछ प्लान कर रही हूं। यह बहुत निराशाजनक है कि यह रिपोर्ट आई है।

वोट डालकर बोले मतदाता, हमने अपना फर्ज निभाया

नोएडा में मतदान दिवस के पर्व पर आर्मी से रिटायर्ड कर्नल सोमदत्त एवं उनकी पत्नी श्रीमति संतोष, जिनके दोनों पैरों की सर्जरी होने के उपरान्त अपने परिवार सहित वोट डालने आये, नोएडा की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह तथा जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने उनकी देशभक्ति के जज्बे को सलाम करते हुए फूलों का गुलदस्ता देकर उनका अभिनंदन किया ।

नोएडा के युवा वोटरों में मतदान को लेकर भारी उत्साह रहा।

नोएडा की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह मतदान केन्द्र का निरीक्षण करती हुई।

नोएडा में मतदानकर्मी ने भी अपना वोट डाला।

नोएडा शहर के एक बूथ पर वोटिंग के लिए खड़े लोग।

एनईए के अध्यक्ष राजकुमार चौधरी ने भी वोट डाला।

वरिष्ठ पत्रकार विनोद शर्मा तथा समाजसेवी त्रिलोक शर्मा ने भी परिजनों के साथ वोट डाला।

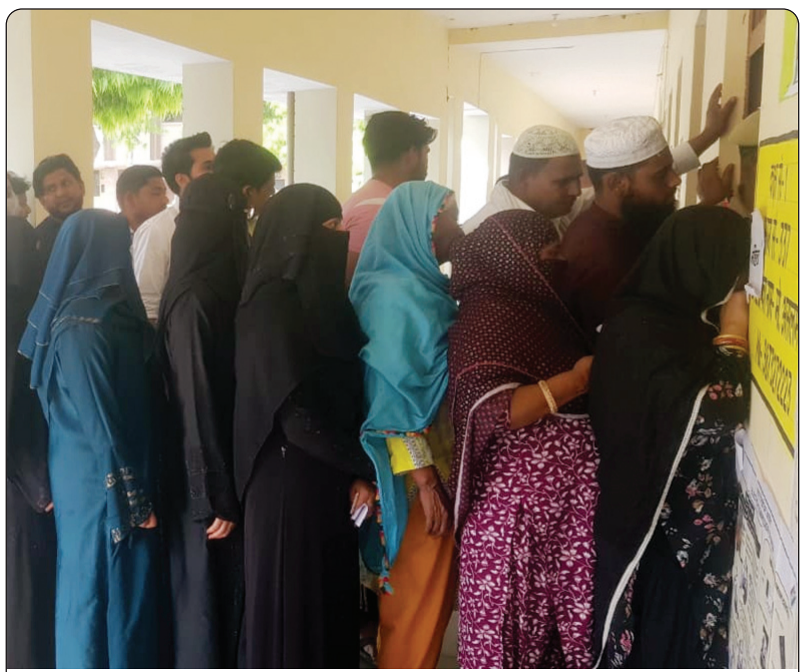

दादरी में मतदान के लिए कतार में लगे वोटर।

वोट डालने के बाद अंगुली पर लगी स्याही को दिखाते कैलाश हॉस्पिटल के सहायक चंदन कुमार एवं अन्य लोग।

कांग्रेसी नेता पुरूषोत्तम नागर ने भी वोट डाले।

उत्तर प्रदेश कॉंग्रेस कमेटी के पूर्व सदस्य सतेन्द्र शर्मा तथा पीसीसी सदस्य यतेन्द्र शर्मा ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मतदान स्थल हरौला में वोट दिया फिर वोट देने के बाद निशान भी दिखाया।

नेहरू युवा केंद्र में वोट डालने के बाद में निशान दिखाते समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता देवेंद्र सिंह अवाना, राष्ट्रीय सचिव नरेंद्र शर्मा, सनी गुर्जर, विक्की तंवर,परवेज तथा डीपी सरकार आदि।

ग्रेटर नोएडा के शारदा विवि में बनाये गये बूथ में वोट डालने के बाद निशान दिखाती छात्राएं।

यूथ-बूथ पर फर्स्ट टाइम वोटर।

अपना वोट डालने के बाद अंगुली पर लगे निशान को दिखाते हुए।

नोएडा के सेक्टर-61 में विशेष तौर पर बनाया गया महिला मतदान केन्द्र।

SAHARA BUILDER & PROPERTIES™

ISO 9001:2008

PROPERTIES AVAILABLEFORSALE IN GREATER NOIDA

RESIDENTIAL

S.No	Plot Size	House No./Block	Price	Other Details
1	300 Sq.mtr	C-291, Sigma - 02	92 Lakh	Completion, S/W
2	200 Sq.mtr	G-660, Alpha - 02	1.25 Cr.	Completion,N/E & 18 MTR Road
3	60 Sq.mtr	G-439, Gamma - 02	52 Lakh	Single Story, Corner(18X12),N/E
4	1265 Sq.ft	Silver City - 02, PI-1	55 Lakh	2+1 BHK Apartment
5	29.76 Sq.ft	3TF/Block-60, Sector - 10	9 Lakh	1 BHK, Top Floor
6	2450 Sq.ft	Royal Apartment(Duplex), Sigma - 04	On Request	4BHK, Low rise, Lift
7	237 Sq.mtr	C-363, Sector - 03(EXTN)	1.40 Cr.	50% Completion, Corner, N/ W
8	110 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
9	131 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
10	930 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	14000/Sq.Mtr.	Corner Plot

COMMERCIAL

S.No	Shop Size	Complex Address	Price	Other Details
1	29.5 Sq.mtr	Block - C, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, Corner, N/E
2	463 Sq.ft	NQI Plaza, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, N/E
3	19.5 Sq.mtr	Kadamba Shopping Complex, Gamma -01	40 Lakh	G.Floor, N/W
4	8.15 Sq.mtr	Kiosk, P-3	22 Lakh	24 Mtr Road, N/W

CONTACT US :+919810441077, +919710441077

Add- Office No. 205, Sunrise Tower,Alpha 1 Commercial Belt, Gr.Noida, G.B.Nagar, U.P-2010308